RNI No. : TNHIN/2013/52520 ■ वर्ष - 13 ■ अंक - 302 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » रविवार » 31-05-2026 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 सीमावर्ती जिलों में जनसांयिकीय परिवर्तन सबसे गंभीर चुनौती : शाह

6 नायक मनोज सिंह : साथियों पर मंडराया खतरा तो ग्रेनेड से किया आतंकवादी का खात्मा

7 'घिस घिस घिस' को लेकर सुर्खियां बटोर रहीं अक्षरा सिंह

फर्स्ट टेक

सरकार ने शिकायत निवारण के लिए एआई आधारित 'समाधान दीदी' चैटबॉट पेश किया

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार ने शनिवार को सरकारी विभागों के खिलाफ नागरिकों को ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराने में मदद के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित चैटबॉट 'समाधान दीदी' पेश किया। केंद्रीय कार्मिक राज्य मंत्री जितेन्द्र सिंह ने यहां 'समाधान दीदी' चैटबॉट की शुरुआत की और इसे देश में ''जन शिकायत निवारण तंत्र को लोकतंत्र आधारित बनाना'' करार दिया। उन्होंने कहा कि यह नागरिकों के लिए सार्वजनिक सेवाओं के उपयोग को आसान बनाने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि यह चैटबॉट लोक शिकायतों के निवारण को अधिक सरल, सुलभ और बहुभाषी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

सीबीएसई पोर्टल पर साइबर हमला हुआ, 50 बच्चें प्रभावित हुए : सूत्र

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के पुनर्मूल्यांकन पोर्टल की भुगतान प्रणाली पर साइबर हमला हुआ और लगभग 50 छात्र प्रभावित हुए। सरकारी सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। एक सूत्र ने बताया, पोर्टल पर कुछ लोगों ने अनधिकृत पहुंच हासिल कर ली। पेमेंट गेटवे एचडीएफसी से संबंधित था... लगभग 50 बच्चें प्रभावित हुए। सूत्रों के अनुसार, इस समस्या के कारण पोर्टल पर शुल्क की राशि असामान्य दिखाई देने लगी और कई मामलों में देय राशि लगभग एक रुपये से लेकर लगभग 67,000-68,000 रुपये तक घटती-बढ़ती रही। सूत्र ने बताया, मुझे लगता है कि मजाक में या दुर्भावनापूर्ण इरादे से यह किया गया, शुल्क की राशि कभी एक रुपये तो कभी 67-68,000 रुपये दिखाई गई। इस तरह लगभग 50 बच्चे ऐसे थे जिनके मामलों में राशि बदल गई थी। यह गड़बड़ी सिस्टम से जुड़े एचडीएफसी के भुगतान गेटवे से संबंधित थी और तब हुई जब पोर्टल 'लाइव' हुआ।

सरकार ने गन्ना नियंत्रण आदेश के मसौदे को वापस लिया

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार ने गन्ना (नियंत्रण) आदेश, 2026 के मसौदे को वापस ले लिया है। विभिन्न राज्य सरकारों और अन्य हितधारकों से प्राप्त आपत्तियों के मद्देनजर इसे पुनः समीक्षा के लिए भेजा जाएगा। खाद्य मंत्रालय ने एक कार्यालय ज्ञापन में कहा, राज्य सरकारों और अन्य हितधारकों से प्राप्त सुझावों/टिप्पणियों के आधार पर यह आवश्यक माना गया है कि गन्ना (नियंत्रण) आदेश, 2026 के मसौदे पर पुनर्विचार किया जाए।

31-05-2026 सूर्यास्त 6:31 बजे	01-06-2026 सूर्योदय 5:41 बजे

BSE	NSE
74,775.74 (-1,092.05)	23,547.75 (-359.40)

सोना	चांदी
16,231 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	276,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

गंदे बयान

टिक रही सियासत मजहब पर,
हतप्रभ हिंदु और मुसलमान।
जब हैं सब ही हिंदुस्तानी,
फिर क्यों देते नेता बयान।
वोटों के दलबाजों हरगिज,
ना बोलो तुम फिरकी जुबान।
है मुल्क सभी का भारत ही,
'जय हिंद' सभी का यशोगान।।

ऑपरेशन सिंदूर 2.0 के लिए तैयार हैं सशस्त्र बल : जनरल उपेंद्र द्विवेदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने शनिवार को कहा कि यदि आवश्यकता पड़ी तो सशस्त्र बल 'ऑपरेशन सिंदूर 2.0' के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

जनरल द्विवेदी ने कहा कि सेना के तीनों अंग उस आधुनिक बहु-आयामी युद्ध की चुनौतियों से निपटने के लिए आपसी समन्वय को और मजबूत कर रहे हैं, जो अब केवल थल, जल और वायु तक सीमित नहीं रह गया है।

राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) के 150वें कोर्स की पासिंग आउट परेड के अवसर पर यहां आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में जनरल द्विवेदी ने कहा कि फिलहाल अस्थायी संघर्षविराम है, लेकिन यदि अगला चरण शुरू होता है तो उससे निपटने के लिए तीनों सेनाएं पूरी तैयारी कर रही हैं।

गौरतलब है कि भारत ने अप्रैल 2025 में हुए पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में मई 2025 में पाकिस्तान स्थित आतंकी ढांचे को नष्ट करने के लिए ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था। पहलगाम आतंकवादी हमले में 26 लोगों की मौत हो गई थी।

जनरल द्विवेदी ने कहा, ''जहां तक ऑपरेशन सिंदूर का सवाल है, यह अब भी जारी है। फिलहाल अस्थायी संघर्षविराम है। भारतीय सेना और सेना के तीनों अंग ऑपरेशन सिंदूर 2.0 के लिए तैयारियां कर रहे हैं, यदि इसे अंजाम देने की स्थिति बनती है।'' उन्होंने कहा कि भविष्य के युद्धों पर अंतरिक्ष, साइबर और मनोवैज्ञानिक एवं सूचना-आधारित युद्ध जैसे उभरते क्षेत्रों का प्रभाव लगातार बढ़ेगा।

सेना प्रमुख ने कहा कि आधुनिक युद्धक्षेत्र बेहद पारदर्शी हो चुके हैं और लगभग हर गतिविधि पर नजर रखी जा सकती है, ऐसे में सैन्य योजनाकारों को सैनिकों की तैनाती तथा उनकी सुरक्षा को लेकर अत्यंत सतर्क रहना होगा। उन्होंने कहा, ''आज की स्थिति में युद्धक्षेत्र 24 घंटे निगरानी में रहता है। यह इतना पारदर्शी हो गया है कि हर गतिविधि दूसरे पक्ष को दिखाई देती है।

राहुल का प्रधानमंत्री पर निशाना

दावे विश्वगुरु के लेकिन देश में एक परीक्षा भी नहीं करवा सकते

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर देश की शिक्षा व्यवस्था को ''पूरी तरह से बर्बाद'' करने का आरोप लगाया और कहा कि सरकार एक ओर भारत के 'विश्वगुरु' होने का दावा करती है जबकि दूसरी ओर वह एक भी परीक्षा निष्पक्ष और व्यवस्थित तरीके से आयोजित नहीं कर पा रही है।

गांधी की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने कहा कि भारत भर में स्नातक डिग्री कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए आयोजित होने वाली सामान्य विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा-स्नातक (सीयूईटी-यूजी) 2026 की परीक्षा में तकनीकी खराबी के कारण शनिवार को कुछ केंद्रों पर देरी हुई।

गांधी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''नीट, सीबीएसई, एसएससी और आज सीयूईटी। चार परीक्षाएं। एक करोड़ बच्चे। एक भी (परीक्षा) ईमानदारी से नहीं हो पाई।'' गांधी ने कहा, ''दावे विश्वगुरु के, लेकिन देश में एक परीक्षा नहीं करवा सकते - मोदी जी ने पूरी शिक्षा व्यवस्था तबाह कर दी है।'' लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा, ''जिस पीढ़ी का भविष्य आप बर्बाद कर रहे हैं - वही पीढ़ी आपका हिसाब करेगी।''

गांधी ने शुक्रवार को कहा था कि केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की विफलता पर मोदी की चुप्पी और शिक्षा मंत्री के खिलाफ कार्रवाई न करना यह दर्शाता है कि उन्हें केवल अपनी सरकार के अस्तित्व की चिंता है, न कि लाखों छात्रों के भविष्य की।

'फर्जी हस्ताक्षर' मामले में सीआईडी ने अभिषेक को समन भेजा

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के अपराध जांच विभाग (सीआईडी) ने शनिवार को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी को नोटिस जारी करके जांच एजेंसी के समक्ष पेश होने के लिए कहा है। यह नोटिस उन्हें विधानसभा सचिवालय को सौंपे गए उस पत्र में पार्टी विधायकों के जाली हस्ताक्षरों के कथित इस्तेमाल की जांच के सिलसिले में दिया गया है, जिसमें शोभनदेब चट्टोपाध्याय को नेता प्रतिपक्ष के रूप में समर्थन दिया गया था। सीआईडी सूत्रों के अनुसार, यह नोटिस उन्हें सोमवार दोपहर एजेंसी के भवानी भवन मुख्यालय में पूछताछ के लिए पेश होने का निर्देश देने वाला समन है। यह नोटिस बनर्जी को उनके कालीघाट रोड स्थित आवास पर व्यक्तिगत रूप से सौंपा गया। हालांकि, यह नोटिस कोलकाता की सड़कों पर डेढ़ घंटे की नाटकीय घटनाओं के बाद ही सौंपा गया, जिसने जनता का काफी ध्यान आकर्षित किया।

आत्मनिर्भर होने की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है भारत का रक्षा क्षेत्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि भारत का रक्षा क्षेत्र पूरी तरह से आत्मनिर्भर होने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है तथा रक्षा उत्पादन 2014 के 46 हजार करोड़ रुपए के मुकाबले अगले महीने पौने दो लाख करोड़ रुपए का हो जाएगा।

सिंह ने अपने संसदीय निर्वाचन क्षेत्र लखनऊ में नौसेना शौर्य वाटिका का लोकार्पण करने के बाद अपने सम्बोधन में रक्षा क्षेत्र में भारत की तीव्र प्रगति और रक्षा निर्यात में हुई बढ़ोत्तरी का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि 2014 के पहले भारत में छोटे-मोटे हथियारों के कलपुर्जों का निर्यात केवल एक हजार करोड़ रुपए का था लेकिन अब भारत का रक्षा क्षेत्र पूर्ण रूप से आत्मनिर्भर होने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि 2014 में जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनी तब से ही इस बात पर विशेष बल दिया गया कि भारत सही मायनों में सबसे ताकतवर कहलाए ताकि देश की सेनाओं को हथियार के लिए अन्य देशों पर निर्भर नहीं रहना पड़े। उन्होंने कहा कि 'मेक इन इंडिया' और 'डिफेंस कॉरिडोर' समेत कई कदमों से यह सुनिश्चित किया गया कि भारतीय सेना के लिए अत्याधुनिक हथियार भारत में ही निर्मित किए जाएं और अगर संभव हो तो हम उन्हें दूसरे देशों को बेच सके।

सिंह ने कहा, ''जब हमने रक्षा क्षेत्र में निर्यात की ओर ध्यान देने की बात कही थी तो कई लोगों ने हमारी इस योजना को बड़ी शंका की नजर से देखा था, क्योंकि भारत का रक्षा क्षेत्र कभी अपने निर्यात के लिए नहीं जाना जाता था, आयात के लिए जाना जाता था।'' सिंह ने कहा, ''पिछले 10 वर्षों में हम सभी ने मिलकर जो मेहनत की है उसका परिणाम आज हमें मिल रहा है। 2014 में हमारा घरेलू रक्षा उत्पादन मात्र 46 हजार करोड रुपए था, लेकिन आज वही बढ़कर डेढ़ लाख करोड़ से अधिक हो चुका है।

डीके शिवकुमार चुने गए कांग्रेस विधायक दल के नए नेता

3 जून को लेंगे कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद की शपथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने शनिवार को आधिकारिक घोषणा की है कि डीके शिवकुमार को सर्वसम्मति से कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) का नया नेता चुन लिया गया है। वे अब कर्नाटक के नए मुख्यमंत्री के रूप में कमान संभालेंगे। बेंगलूरु के विधान सौधा में आयोजित कांग्रेस विधायक दल की महत्वपूर्ण बैठक के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए के.सी. वेणुगोपाल ने कहा कि मुझे यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि डी.के. शिवकुमार कांग्रेस विधायक दल के नए नेता चुने गए हैं। कांग्रेस आलाकमान ने इस पद के लिए उनके नाम का प्रस्ताव रखा था। खास बात यह रही कि खुद कार्यवाहक मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने व्यक्तिगत रूप से शिवकुमार के नाम का प्रस्ताव रखा, जिसे सभी विधायकों ने सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया। वरिष्ठ नेता डॉ. जी. परमेश्वर ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया।

वेणुगोपाल ने बताया कि डीके शिवकुमार जल्द ही राज्यपाल से मुलाकात कर सरकार बनाने का औपचारिक दावा पेश करेंगे। 3 जून को नए मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया जाएगा। सत्ता के इस हस्तांतरण पर उठ रहे सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, कई लोगों को उम्मीद थी कि यह बदलाव कांग्रेस पार्टी के लिए मुश्किलें खड़ी करेगा, लेकिन हम एक परिवार की तरह हैं। हर कोई उत्सुक था कि सिद्दरामय्या की क्या प्रतिक्रिया होगी, लेकिन सिद्दरामय्या ने साफ किया कि उनके दिल में सिर्फ कांग्रेस पार्टी है और वह आलाकमान के फैसले का पूरी तरह पालन करेंगे।

समर्पण और ईमानदारी के साथ कर्नाटक के लोगों की सेवा के लिए प्रतिबद्ध : शिवकुमार

कांग्रेस विधायक दल के नेता चुने गए डी.के. शिवकुमार ने शनिवार को कहा कि वह और उनकी पार्टी समर्पण, ईमानदारी और उद्देश्यपूर्ण भावना के साथ राज्य की जनता की सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। कांग्रेस की राज्य इकाई के अध्यक्ष शिवकुमार तीन जून को मुख्यमंत्री पद का कार्यभार संभालेंगे।

शिवकुमार ने 'एक्स' पर लिखा, ''आज विधान सौध में आयोजित कांग्रेस विधायक दल की बैठक में सर्वसम्मति से विधायक दल का नेता चुने जाने पर मैं विनम्र और सम्मानित महसूस कर रहा हूं।'' उन्होंने कहा, ''हम राज्य की जनता की समर्पण, ईमानदारी और उद्देश्यपूर्ण भावना के साथ सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।''

कर्नाटक में शिवकुमार के नेतृत्व में 2028 में फिर सत्ता में लौटेगी कांग्रेस : के.सी. वेणुगोपाल

कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने शनिवार को कहा कि कर्नाटक में डी.के. शिवकुमार के नेतृत्व में पार्टी एक बार फिर सत्ता में लौटेगी। यहां आयोजित कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) की बैठक में शिवकुमार को विधायक दल का नेता चुना गया, जिससे उनके राज्य का अगला मुख्यमंत्री बनने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। यह बैठक कांग्रेस महासचिव (संगठन) के.सी. वेणुगोपाल और पार्टी के कर्नाटक मामलों के प्रभारी महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला की उपस्थिति में हुई। बैठक के बाद वेणुगोपाल ने संवाददाताओं से कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पार्टी की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी के मार्गदर्शन में कर्नाटक में सत्ता का सुगम हस्तांतरण हुआ है। उन्होंने कहा, ''कर्नाटक में शिवकुमार के नेतृत्व में कांग्रेस 2028 के विधानसभा चुनाव में सिद्धरमैया के समर्थन के साथ एक बार फिर सत्ता में वापसी करेगी।''

भविष्य उन अर्थव्यवस्थाओं का है जो पारिस्थितिक संतुलन को कायम रखते हुए विकास कर सकती हैं : राधाकृष्णन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पणजी/भाषा। उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन ने शनिवार को कहा कि भविष्य उन अर्थव्यवस्थाओं का है जो पारिस्थितिक संतुलन को बनाए रखते हुए विकास हासिल कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि गोवा में सतत तटीय विकास के लिए राष्ट्रीय स्तर पर एक आदर्श मॉडल के रूप में उभरने की क्षमता है। राधाकृष्णन ने यहां गोवा राज्य स्थापना दिवस समारोह में कहा कि गोवा उभरते हुए समुद्री अर्थव्यवस्था क्षेत्र (ब्लू इकोनॉमी) में देश का नेतृत्व करने के लिए बेहतर स्थिति में है।

तेजी से बदलती दुनिया के लिए एक प्रेरणादायक मॉडल के रूप में गोवा का वर्णन करते हुए उन्होंने कहा कि इसने यह प्रदर्शित किया है कि कोई भी अपनी सांस्कृतिक जड़ों को खोए बिना और स्थानीय परंपराओं को संरक्षित करते हुए आधुनिकता को अपना सकता है।

इस मौके पर गोवा के राज्यपाल पी अशोक गजपति राजू और मुख्यमंत्री डॉ प्रमोद सावंत भी मौजूद थे।

राधाकृष्णन ने कहा, ''भविष्य उन अर्थव्यवस्थाओं का है जो पारिस्थितिक संतुलन को बनाए रखते हुए विकास कर सकती हैं और गोवा सतत तटीय विकास के लिए राष्ट्रीय स्तर पर एक आदर्श मॉडल के रूप में उभर सकता है।''

गोवा के समुद्री संसाधनों और मत्स्य पालन क्षेत्र का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में समुद्री अर्थव्यवस्था एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी और इस बात पर खुशी व्यक्त की कि राज्य पहले से ही उस दिशा में आगे बढ़ रहा है।

'ब्लू इकोनॉमी' शब्द का तात्पर्य आर्थिक विकास, बेहतर आजीविका और रोजगार सृजन के लिए महासागर और तटीय संसाधनों के सतत उपयोग और संरक्षण से है। उन्होंने कहा कि विकास को संतुलित और समावेशी होना चाहिए। उन्होंने कहा कि विकास को तब तक सार्थक नहीं माना जा सकता जब तक कि इससे समाज के हर वर्ग को लाभ न मिले।

राधाकृष्णन ने कहा, ''किसी भी विकास को तब तक विकास नहीं कहा जा सकता जब तक वह समाज के हर वर्ग के लिए समावेशी न हो।'' उन्होंने कहा कि गोवा की पारिस्थितिकी, तटरेखा, नदियों, जंगलों और विरासत का संरक्षण केवल राज्य की जिम्मेदारी नहीं बल्कि एक ''राष्ट्रीय अनिवार्यता'' है। उन्होंने कहा कि गोवा को न केवल अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए बल्कि यहां के लोगों और प्रकृति के बीच सामंजस्य के लिए भी विश्व स्तर पर सराहा जाता है।

शिक्षा व्यवस्था 'माफिया के चंगुल' में आ चुकी है : केजरीवाल

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने नीट परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक को लेकर केंद्र सरकार की कड़ी आलोचना करते हुए शनिवार को कहा कि देश की शिक्षा व्यवस्था ''माफिया के चंगुल'' में आ चुकी है। भारतीय वायु सेना द्वारा राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) परीक्षा के प्रश्नपत्र परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाए जाने संबंधी खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए केजरीवाल ने कहा कि केंद्र सरकार का प्रश्नपत्र लीक मामले की तह तक जाने का कोई इरादा नहीं है, बल्कि वह इस तरह की नौटंकी कर रही है। केजरीवाल ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''नीट में प्रश्नपत्र लीक होने से रोकने के लिए वायु सेना का इस्तेमाल किया जाएगा। क्या इससे प्रश्नपत्र लीक होना रुकेगा?

एआई और डीपफेक के युग में विश्वसनीयता का संकट सबसे बड़ा है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शनिवार को कहा कि औपनिवेशिक दौर में पत्रकारिता के सामने सेंसरशिप और संसाधनों की कमी जैसी चुनौतियां थीं, जबकि आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), डीपफेक और फर्जी सूचनाओं के दौर में पत्रकारिता के सामने सबसे बड़ा संकट विश्वसनीयता का है।

हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि आज फर्जी विमर्श, डीपफेक तकनीक आदि के कारण विश्वसनीयता का संकट पैदा हुआ है। उन्होंने कहा कि पहले कहा जाता था कि जो आंखों से दिखाई देता है, वह सच होता है, लेकिन अब सत्य की तलाश सूचना के विभिन्न स्रोतों के बीच करनी पड़ती है।

सिंधिया ने कहा कि पत्रकारिता केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानवीय चेतना को संरक्षित करने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि 'लाइक' और 'व्यूज' पाने के लिए इस्तेमाल की जा रही तकनीक का इस्तेमाल पाठकों में जागरूकता पैदा करने और पढ़ने की ललक पैदा करने के लिए भी किया जा सकता है।

सहज स्मृति योग

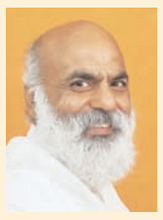

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, मैं यह कैसे जानूँ कि मेरा व्यवहार मेरे अहंकार से प्रेरित है कि आत्मविश्वास से भरा हुआ है?

उत्तर: आत्मविश्वास मूलतः आत्मा से और अंततः स्व से उत्पन्न होता है, जिसे व्यावहारिक और अनुभूति के स्तर पर चरित्र कहते हैं। चरित्र हमारे मूल्यों और सद्गुणों का प्रतिबिंब होता है। मूल्य और सद्गुण ही मानव चरित्र (स्वभाव/आत्म-सत्य) के मुख्य घटक हैं। वहीं, अहंकार हमारे चित्त के चार घटकों, बुद्धि, अहं (अहंकार), स्मृति और मन में से एक घटक है। इन्हें सामूहिक रूप से अंतःकरण भी कहा जाता है। स्व मन /अहंकार/स्मृति/बुद्धि से अधिक सूक्ष्म, व्यापक और पूर्णतायुक्त है। जो व्यवहार स्व पर आश्रित होता है, वह व्यवहार, स्थिरता, संतुलन और व्यापकता में हमारे अहंकार-प्रेरित व्यवहार से कहीं अधिक श्रेष्ठ होता है। अहंकार-प्रेरित व्यवहार न तो मूल्यों पर आधारित होता है और न ही वह प्रेम, करुणा, विवेक, मर्यादा जैसे सद्गुणों के माध्यम से स्वयं को अभिव्यक्त करता है। संक्षेप में, जब आपका व्यवहार मूल्यों और सद्गुणों से प्रेरित होता है, तब वह आत्मविश्वास से संचालित होता है। लेकिन जैसे ही वह सद्गुणों और मूल्यों की सीमाओं से बाहर जाने लगता है, वह अहंकार से प्रभावित हो जाता है चाहे वह स्मृतियों के प्रभाव से हो, अपनी ही बुद्धि (दृष्टिकोण) के प्रति आग्रह से, या मनोदशा के उतार-चढ़ाव से। ऐसे समय में अपने स्व के प्रति सजगता बहुत उपयोगी होती है, क्योंकि वही हमारे व्यवहार और आचरण को संयमित, संतुलित और सही दिशा में स्थापित करती है। विनम्रता के साथ अपनी बात दृढ़ता से रखना गलत नहीं है, यह नेतृत्व का लक्षण है। परिवेश की प्रतिक्रिया ज़ैसी भी हो उसे सहज भाव से स्वीकार करें।

'सरकार मराठा समुदाय के हित में निर्णय लेगी, ओबीसी के साथ नहीं होगा अन्याय'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को कहा कि उनकी सरकार मराठा समुदाय की आरक्षण संबंधी मांगों को पूरा करने के प्रति सकारात्मक है और समुदाय के हित में निर्णय लेना जारी रखेगी, साथ ही यह भी सुनिश्चित करेगी कि अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के साथ कोई अन्याय न हो। उन्होंने कहा कि सरकार आरक्षण के मुद्दे पर ऐसे निर्णय लेगी, जो संविधान और अदालतों की कसौटी पर खरे उतर सकें तथा कानूनी जांच में टिक सकें।

फडणवीस ने कहा कि ईंधन की बढ़ती कीमतें वैश्विक ऊर्जा संकट से जुड़ी हैं और अंतरराष्ट्रीय स्थिति में सुधार होने पर इनके दाम स्थिर हो जाएंगे। नागपुर के भांडेवाड़ी में संपीड़ित बायोगैस संयंत्र का निरीक्षण करने के बाद संवाददाताओं से बातचीत में फडणवीस से मराठा आरक्षण आंदोलन के नेता मनोज जरांगे की अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल के बारे में पूछा गया।

जरांगे ने शनिवार को जालना जिले में भीषण गर्मी के बीच अपना नौवां अनिश्चितकालीन अनशन शुरू कर दिया, जिससे आरक्षण के मुद्दे पर राज्य सरकार पर दबाव और बढ़ गया। मुंबई से लगभग 400 किलोमीटर दूर स्थित अंतरवाली सराटी गांव में जरांगे ने भीषण गर्मी के बावजूद बिना किसी टेंट या सुरक्षात्मक आश्रय के खुले मैदान में अनशन शुरू किया। जरांगे ने मराठा समुदाय के लोगों को ओबीसी आरक्षण का लाभ दिलाने के लिए कुनबी जाति प्रमाणपत्र जारी करने, हैदराबाद और सतारा गजट अभिलेखों को लागू करने तथा आरक्षण आंदोलन में भाग लेने वाले मराठा प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज मामलों को वापस लेने की मांग दोहराई है। जरांगे के अनशन के बारे में पूछे जाने पर फडणवीस ने कहा, ''सरकार इस मुद्दे पर हमेशा सकारात्मक रही है। जब-जब कठिनाइयां आईं, सरकार ने निर्णय लिए। सरकार का रुख पारदर्शी और सकारात्मक है तथा भविष्य में भी ऐसा ही रहेगा।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार सभी समुदायों के लिए काम करती है और सामाजिक समूहों के बीच टकराव पैदा नहीं करती। उन्होंने कहा, ''मेरे और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे द्वारा मराठा समुदाय के लिए जो निर्णय लिए हैं, वे इतिहास में पहले कभी नहीं लिए गए। हम समुदाय के हित में निर्णय लेना जारी रखेंगे।'' उन्होंने हालांकि इस बात पर बल दिया कि आरक्षण संबंधी किसी भी निर्णय को संविधान और न्यायालयों के निर्देशों के अनुरूप होना चाहिए। फडणवीस ने कहा, ''हमें संविधान तथा उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय के निर्देशों का पालन करना होगा। उस दायरे से बाहर लिया गया निर्णय भले ही प्रचार दिला दे, लेकिन वह कानूनी जांच में नहीं टिकेगा। हम हर वह निर्णय लेंगे, जो संविधान और न्यायालयों की कसौटी पर खरा उतर सके।'' राज्य के ओबीसी समुदाय मराठाओं को अपने आरक्षण हिस्से से लाभ दिए जाने का कड़ा विरोध करते रहे हैं। उनका कहना है कि ऐसा करने से उन्हें मिलने वाले मौजूदा लाभ प्रभावित होंगे।

मंत्रालय का जल बजट पर जोर

भारत में सिंचाई के लिए पानी की मांग 2050 तक 807 बीसीएम तक पहुंच सकती है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत में साल 2050 तक सिंचाई के लिए पानी की मांग बढ़कर 807 बिलियन क्यूबिक मीटर (बीसीएम) हो सकती है, जहाँ दुनिया की 17.5 प्रतिशत आबादी और 11.6 प्रतिशत पशुधन है। जल शक्ति मंत्रालय के अनुमानों में यह बात कही गई है।

मंत्रालय ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में होने वाले कुल पानी के इस्तेमाल का 80-90 प्रतिशत हिस्सा अकेले खेती (सिंचाई) में खर्च होता है, जिससे देश के जल संसाधनों पर दबाव और बढ़ता जा रहा है। केंद्रीय जल आयोग के अध्ययन, 'अंतरिक्ष इनपुट का उपयोग करके भारत में जल उपलब्धता का पुनर्मूल्यांकन, 2019' के अनुसार, देश में हर साल औसतन करीब 3,880 बीसीएम वर्षा होती है। वाष्पीकरण और अन्य कारकों जैसे प्राकृतिक नुकसान को ध्यान में रखने के बाद वार्षिक जल की औसत उपलब्धता 1,999.20 बीसीएम होने का अनुमान है। इस पृष्ठभूमि में, मंत्रालय ने 'जल बजट' तैयार करने की आवश्यकता पर बल दिया है। इसके अनुसार, भारत को आपूर्ति-संचालित दृष्टिकोण से हटकर मांग-आधारित और नियोजित जल प्रबंधन प्रणालियों की ओर बढ़ने की सख्त जरूरत है। मंत्रालय ने कहा कि जल बजट, समुदायों को पानी की उपलब्धता और मांग का आकलन करने में सक्षम बनाता है, जिससे कृषि, घरेलू उपयोग, पशुधन और उद्योग जगत में सोच-समझकर निर्णय लेने में मदद मिलती है।

रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह को डीआरडीओ प्रमुख का अतिरिक्त प्रभार मिला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह को शुक्रवार को रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के अध्यक्ष का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया। एक आधिकारिक आदेश में यह जानकारी दी गई। डीआरडीओ के मौजूदा अध्यक्ष समीर वी कामत का विस्तारित कार्यकाल इस महीने समाप्त हो रहा है।

कार्मिक मंत्रालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार, सक्षम प्राधिकारी ने 31 मई को समीर वी कामत का कार्यकाल पूरा होने के बाद राजेश कुमार सिंह को रक्षा अनुसंधान और विकास विभाग के सचिव और डीआरडीओ अध्यक्ष की अतिरिक्त जिम्मेदारी देने की मंजूरी प्रदान कर दी है।

एक अन्य आदेश में, मंत्रालय ने कहा कि वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) की महानिदेशक और वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सचिव एन. कलाइसेल्वी, 31 मई को वर्तमान सचिव एम. रविचंद्रन की सेवानिवृत्ति के बाद पृथ्वी विज्ञान सचिव का अतिरिक्त प्रभार संभालेंगी। आदेश में कहा गया है कि अल्पसंख्यक मामलों के सचिव श्रीवत्स कृष्णा, 31 मई को अलका उपाध्याय की सेवानिवृत्ति के बाद राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के सचिव का अतिरिक्त प्रभार संभालेंगे।

गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने, गोहत्या पर प्रतिबंध का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं : मेघवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा है कि गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने या देशव्यापी स्तर पर गोहत्या पर प्रतिबंध लगाने का कोई प्रस्ताव फिलहाल केंद्र के पास विचाराधीन नहीं है। उन्होंने हालांकि यह भी कहा कि विभिन्न समूहों द्वारा इस तरह की मांग लगातार उठाई जाती रही है।

मेघवाल ने कहा कि गोहत्या से जुड़े कानून राज्यों में अलग-अलग हैं और राज्य अपनी परिस्थितियों के हिसाब से फैसले लेते हैं। देशभर में गाय को राष्ट्रीय पशु का दर्जा देने और गोहत्या पर प्रतिबंध लगाने की मांगों से संबंधित एक सवाल का जवाब देते हुए, मेघवाल ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ साक्षात्कार में कहा कि कई संगठन सांसदों और सरकार को ज्ञापन देकर गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने और देशभर में गोहत्या पर रोक लगाने की मांग करते रहते हैं। उन्होंने कहा, ''विभिन्न संगठन इन मुद्दों पर काम करते रहते हैं और सांसदों से भी संपर्क करते हैं। लोग ज्ञापन देते हैं और इस तरह के कदम उठाये जाने की अपील करते हैं।'' मंत्री ने हालांकि कहा कि फिलहाल केंद्रीय मंत्रिमंडल के पास ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। उन्होंने कहा, ''फिलहाल हमारे समक्ष ऐसा कोई मामला नहीं है, जो मंत्रिमंडल के विचाराधीन हो। यदि किसी भी समय कोई प्रस्ताव ऐसे चरण तक पहुंचता है, जहां सरकार के निर्णय या मंत्रिमंडल के विचार की आवश्यकता हो, तो हम आपको सूचित करेंगे।''

प्रधानमंत्री और मंत्री प्रधान की 'जुगलबंदी' लाखों युवाओं की उम्मीदों को तोड़ रही है : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने शनिवार को आरोप लगाया कि 'प्रधानमंत्री और मंत्री प्रधान की जुगलबंदी' शिक्षा व्यवस्था को 'चौपट' करके, 'बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार' को पनपने देने और आरएसएस द्वारा चयनित 'तीसरे दर्जे के शिक्षाविदों की घुसपैठ' को बढ़ावा देकर देशभर के लाखों युवाओं की आशाओं और आकांक्षाओं को चकनाचूर कर रही है। विपक्षी दल ने यह हमला शनिवार को कुछ केंद्रों पर तकनीकी खराबी के कारण 'सीयूईटी-यूजी 2026' परीक्षा में विलंब होने के बाद किया। स्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए 'सामान्य विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा-स्नातक' (सीयूईटी-यूजी) का आयोजन शनिवार को देशभर में किया गया था।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा, ''राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) और सीबीएसई के बाद अब सीयूईटी का मामला है। मोदी सरकार स्पष्ट रूप से नुकसान को कम करने की कोशिश कर रही है। मंत्री प्रधान की अक्षमता, अहंकार और संवेदनहीनता पूरी तरह से उजागर हो चुकी है।'' रमेश ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर निशाना साधते हुए कहा, ''जनता की नजर में गिरने के कारण उन्हें बचाना असंभव है, और यहां तक कि उनके समर्थक भी उन्हें छोड़ने को तैयार हैं। रमेश ने कहा, ''अब उनका ध्यान प्रधानमंत्री की छवि सुधारने पर केंद्रित है जो लाखों छात्रों की पीड़ा के प्रति पूरी तरह से मौन और उदासीन रहे हैं, लेकिन कथित तौर पर स्थिति पर कड़ी नजर रख रहे हैं।'' उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार अब भी केवल दिखावा और जनसंपर्क प्रबंधन कर रही है।

कुछ केंद्रों पर तकनीकी गड़बड़ी के कारण देरी से शुरू हुई सीयूईटी-यूजी परीक्षा: एनटीए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। देशभर के स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आयोजित सीयूईटी-यूजी 2026 परीक्षा शनिवार को कुछ केंद्रों पर तकनीकी खराबी के कारण देरी से शुरू हुई। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने यह जानकारी दी।

एनटीए के अनुसार, समस्या अब दूर कर ली गई है और सभी अभ्यर्थियों को पूरा प्रतिपूरक समय दिया जा रहा है, ताकि किसी भी अभ्यर्थी को नुकसान न हो। एजेंसी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, ''टीसीएस ने जानकारी दी है कि शनिवार को कुछ परीक्षा केंद्रों पर उनकी ओर से आई तकनीकी खराबी के कारण सीयूईटी-यूजी 2026 परीक्षा शुरू होने में देरी हुई। अब समस्या का समाधान कर लिया गया है और परीक्षा अतिरिक्त समय-व्यवस्था के साथ आयोजित की जा रही है, ताकि किसी भी अभ्यर्थी को नुकसान न हो।'' एनटीए ने परीक्षा के दोपहर के सत्र का संशोधित समय भी जारी किया। इसने कहा, ''उम्मीदवारों की रिपोर्टिंग और प्रवेश अपराह्न 2:30 बजे से होगा, जबकि परीक्षा अब अपराह्न तीन बजे के बजाय चार बजे शुरू होगी।'' एजेंसी ने बताया कि सुबह सत्र के अभ्यर्थियों को भी प्रश्नपत्र हल करने के लिए पूरा निर्धारित समय दिया जा रहा है और परीक्षा पूरी होने के बाद ही उन्हें केंद्र से बाहर जाने की अनुमति होगी। एनटीए ने कहा, ''छात्रों और अभिभावकों को हुई असुविधा के लिए हम खेद व्यक्त करते हैं।''

कर्नाटक सड़क परिवहन 'क्लाउड एडॉप्शन' उपलब्धि के लिए हुआ सम्मानित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। उत्तर पश्चिम कर्नाटक सड़क परिवहन निगम को सॉफ्टवेयर विकास और कार्यान्वयन में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए एक प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। संगठन को यह राष्ट्रीय पुरस्कार 29 मई को नई दिल्ली के होटल इरोस ऑडिटोरियम में आयोजित 11वें इंडिया पीएसयू आईटी फोरम एंड अवार्ड्स 2026 पुरस्कार समारोह में 'क्लाउड एडॉप्शन में उत्कृष्टता' श्रेणी के अंतर्गत प्रदान किया गया।

गदग मंडल के यातायात अधिकारी पडियप्पा मेट्री, जिन्होंने संगठन की ओर से इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम में भाग लिया, ने 'गवर्नेंस नाउ' के प्रबंध निदेशक कैलाश अधिकारी से पुरस्कार प्राप्त किया। यह पुरस्कार प्रतिवर्ष उन सार्वजनिक क्षेत्र के संगठनों को दिया जाता है जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर सॉफ्टवेयर विकास और कार्यान्वयन में उल्लेखनीय और नवोन्मेषी उपलब्धियां हासिल की हैं। उत्तर पश्चिम कर्नाटक सड़क परिवहन निगम के अध्यक्ष श्री भारमा गौड़ा (राजू) ए. कागे, उपाध्यक्ष सुनील हनमन्नवारा और प्रबंध निदेशक श्रीमती प्रियांग एम. ने संगठन को मिले इस राष्ट्रीय सम्मान पर अपनी खुशी व्यक्त की।

इस बीच, बोर्ड ने तकनीकी विभाग के अधिकारियों और उन सभी कर्मचारियों को हार्दिक बधाई दी, जिन्होंने दिन-रात मेहनत करके संगठन को यह उच्च स्तरीय पुरस्कार दिलाया। घोषणा में कहा गया है कि संगठन का यह डिजिटल कदम परिवहन व्यवस्था को और सुव्यवस्थित करने तथा यात्रियों को बेहतर सेवा प्रदान करने में सहायक होगा।

निचले अंडरपास में बदलाव के चलते ट्रैफिक में बदलाव

बेंगलूरु। दक्षिण पश्चिम रेलवे में रेलवे ब्रिज स्लैब बदलने का जो काम चल रहा है, उसके चलते कृष्णराजपुरम के पास निचले (लोरी) अंडर ब्रिज पर ट्रैफिक को अस्थायी रूप से दूसरी तरफ मोड़ा जाएगा व सड़कें बंद रहेंगी। यात्रियों व अन्य सड़कों का इस्तेमाल करने का अनुरोध किया है। कृष्णराजपुरम /राममूर्ति नगर/आईटीआई कॉलोनी की ओर जाने वाली सड़क-लोरी अंडरब्रिज से होकर कृष्णराज पुरम, राममूर्ति नगर और आईटीआई कॉलोनी की ओर जाने वाली सड़क 4 से 9 जून तक बंद रहेगी। रेलवे विभाग ने सलाह दी है कि इस दौरान आईटीआई कॉलोनी, राममूर्ति नगर और कृष्णराजपुरम पहुंचने के लिए वे केआर पुरम केबल-स्टेड ब्रिज का इस्तेमाल करें। आईटीपीएल/व्हाइटफील्ड की ओर जाने वाली सड़क-लोरी अंडर ब्रिज से होकर आईटीपीएल/व्हाइटफील्ड की ओर जाने वाली सड़क भी 4 से 9 जून तक बंद रहेगी। इस दौरान केआर पुरम केबल-स्टेड ब्रिज का इस्तेमाल करने की सलाह दी है। केआरपुरम्-आईटीपीएल मुख्य सड़क पर अस्थायी रोक लगाते हुए 7 जून को शाम 6 बजे से 8 जून को सुबह 6 बजे तक अस्थायी तौर पर बंद रखा गया है।

भारत और ईएईयू सीमित अंतरिम व्यापार समझौते पर कर रहे हैं चर्चा: रूसी मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मॉस्को/भाषा। भारत और यूरेशियन आर्थिक संघ (ईएईयू) एक प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के तहत कुछ चुनिंदा सामानों के लिए सीमित और अस्थायी व्यापार व्यवस्था पर चर्चा कर रहे हैं।

रूस की सरकारी समाचार एजेंसी 'तास' की खबर के अनुसार, रूस के आर्थिक विकास मंत्री मैक्सिम रेशेतनिकोव ने यह जानकारी दी है। उन्होंने शुक्रवार को एक टीवी कार्यक्रम को दिए साक्षात्कार में इस बातचीत को जटिल बताया। समाचार एजेंसी 'तास' के मुताबिक, उन्होंने कहा, भारत के साथ मामला थोड़ा अधिक जटिल है क्योंकि वहां की अर्थव्यवस्था काफी बड़ी है और दोनों पक्षों के आपसी हित भी उलझे हुए हैं। स्पष्ट कहें तो, भारतीय पक्ष की मांगें भी काफी महत्वाकांक्षी हैं। उन्होंने कहा, यही कारण है कि हम वर्तमान में एक सीमित और अस्थायी मुक्त व्यापार क्षेत्र बनाने पर चर्चा कर रहे हैं, जो केवल उत्पाद समूहों द्वारा तय की गई वस्तुओं की एक विशेष सूची पर ही लागू होगा। रेशेतनिकोव की यह टिप्पणी रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के उस बयान के कुछ ही घंटों बाद आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत और ईएईयू के बीच व्यापार को उदार बनाने (कर और नियमों में ढील देने) की बातचीत ने रफ्तार पकड़ी है। कजाकिस्तान की राजधानी अस्ताना में 'सुप्रीम यूरेशियन इकोनॉमिक काउंसिल' की बैठक में पुतिन ने कहा, पिछले साल मंगोलिया, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और इंडोनेशिया के साथ व्यापार समझौते किए गए थे और इसी के साथ भारत के साथ भी व्यापार उदारीकरण पर बातचीत तेज की गई है। पुतिन ने कहा कि उनका आर्थिक संघ नए साझेदारों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों पर बातचीत शुरू करने का समर्थन करता है। ईएईयू पांच देशों का एक आर्थिक संगठन है, जिसमें रूस, बेलारूस, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान और आर्मेनिया शामिल हैं। इसकी स्थापना साल 2015 में हुई थी।

पंजाब में सरकारी विभागों में संविदा पर भर्ती होगी समाप्त, कैबिनेट ने दो विधेयकों को मंजूरी दी

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब मंत्रिमंडल ने शनिवार को राज्य के सरकारी विभागों में संविदा और 'आउटसोर्सिंग' प्रणाली के तहत कर्मचारियों की भर्ती की प्रथा को समाप्त करने के उद्देश्य से दो विधेयकों को लाने को मंजूरी दे दी। मुख्यमंत्री भगवंत मान की अध्यक्षता में यहां हुई कैबिनेट बैठक में यह निर्णय लिया गया। मान ने बैठक के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि दो विधेयकह्मंजाब स्टेट आउटसोर्स्ड पर्सनल बिल, 2026 और पंजाब राज्य संविदा कर्मी विधेयक, 2026 – राज्य विधानसभा में लाए जाएंगे। उन्होंने कहा, पंजाब मंत्रिमंडल ने आज एक ऐतिहासिक निर्णय लिया है कि हम पंजाब से संविदा प्रणाली को समाप्त करेंगे। मान ने बताया कि इससे 51 विभागों में कार्यरत कुल 65,048 आउटसोर्स कर्मचारियों को लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा, ''जब हम लोगों से मिलने जाते थे तो संविदा और आउटसोर्सिंग प्रणाली के तहत भर्ती कर्मचारियों से अक्सर शिकायतें सुनने को मिलती थीं, जिनमें वे अपने शोषण की बात करते थे।''

सरकार ने कपास पर 30 अक्टूबर तक आयात शुल्क से छूट दी

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने शनिवार को कपास के आयात पर सीमा शुल्क से पांच महीने यानी 30 अक्टूबर, 2026 तक छूट देने की घोषणा की। वित्त मंत्रालय ने एक अधिसूचना में कहा कि आयात शुल्क में यह छूट एक जून, 2026 से प्रभावी होगी।

इस शुल्क छूट से भारतीय वस्त्र क्षेत्र के लिए कपास की उपलब्धता बढ़ाने में मदद मिलेगी।

इस अस्थायी शुल्क छूट से वस्त्र और परिधान क्षेत्र में कच्चे माल की लागत कम होने की उम्मीद है। इससे विनिर्माताओं और उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी। साथ ही घरेलू किसानों के हितों का भी ध्यान रखा गया है।

मंत्रालय ने कहा कि कुल मिलाकर, इस कदम से घरेलू वस्त्र उद्योग, विशेष रूप से लघु और मध्यम उद्यमों के प्रदर्शन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ने की उम्मीद है। इससे बाजार में कपास की बेहतर उपलब्धता सुनिश्चित होगी।

आधुनिक गर्भनिरोधकों का इस्तेमाल घट रहा है : एनएफएचएस-6

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

आधुनिक गर्भनिरोधकों का इस्तेमाल घट रहा है : एनएफएचएस-6

नई दिल्ली/भाषा। भारत में विवाहित महिलाओं के बीच आधुनिक गर्भनिरोधक उपायों के इस्तेमाल में पिछले कुछ वर्षों में मामूली गिरावट आई है जबकि परिवार नियोजन की पारंपरिक विधियों पर निर्भरता में वृद्धि देखी गई है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-6 (एनएफएचएस-6) से यह जानकारी मिली।

सर्वेक्षण के अनुसार परिवार नियोजन की किसी भी आधुनिक विधि का इस्तेमाल करने वाली विवाहित महिलाओं का अनुपात एनएफएचएस-5 (2019-21) में 56.4 प्रतिशत से घटकर 2023-24 में 52.7 प्रतिशत हो गया।

इसी दौरान, पारंपरिक तरीकों का इस्तेमाल 10.3 प्रतिशत से बढ़कर 16.4 प्रतिशत हो गया, जो दंपतियों के बीच गर्भनिरोधक के इस्तेमाल में बदलाव का संकेत देता है।

विशेषज्ञों के अनुसार, आधुनिक गर्भनिरोधक विकल्प न केवल जनसंख्या स्थिरीकरण के लिए बल्कि मातृ स्वास्थ्य, महिलाओं की स्वायत्तता और आर्थिक सशक्तीकरण के लिए भी महत्वपूर्ण हैं और पारंपरिक तरीकों पर निर्भरता चिंताजनक है क्योंकि इससे अनचाहे गर्भधारण का खतरा बढ़ जाता है। उन्होंने कहा कि आधुनिक और पारंपरिक दोनों तरीकों समेत गर्भनिरोधक के समग्र इस्तेमाल में एनएफएचएस-5 में 66.7 प्रतिशत से बढ़कर एनएफएचएस-6 में 69.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इससे पता चलता है कि अधिक से अधिक दंपति परिवार नियोजन के उपाय अपना रहे हैं, हालांकि उनमें से ज्यादातर लोग नसबंदी, गोलियां और कंडोम जैसे आधुनिक तरीकों से दूर होकर अन्य तरीकों पर अधिक निर्भर हो रहे हैं।

सर्वेक्षण में देश में सबसे व्यापक रूप से इस्तेमाल की जाने वाली परिवार नियोजन विधि, महिला नसबंदी में भी मामूली गिरावट दर्ज की गई, जो 37.9 प्रतिशत से घटकर 36.5 प्रतिशत हो गई। पुरुषों की नसबंदी की दर पिछले सर्वेक्षण के 0.3 प्रतिशत की तुलना में 0.5 प्रतिशत पर बेहद कम बनी रही।

जन स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने कहा कि ये निष्कर्ष जागरूकता, परामर्श और आधुनिक गर्भनिरोधक विकल्पों की व्यापक शृंखला तक पहुंच को मजबूत करने की आवश्यकता को दर्शाते हैं।

नौसेना प्रमुख ने तीनों सेनाओं और तटरक्षक बल को मिलाकर एक विशेष नौसैन्य थिएटर कमान की वकालत की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी ने शनिवार को तीनों सेनाओं और तटरक्षक बल की क्षमताओं को मिलाकर एक विशेष नौसैनिक थिएटर कमान बनाने की जोरदार वकालत की और पश्चिम एशिया संघर्ष का हवाला देते हुए कहा कि समुद्री सुरक्षा सीधे ऊर्जा सुरक्षा से जुड़ी है। एडमिरल त्रिपाठी ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक विशेष साक्षात्कार में कहा, ''सेना के तीनों अंगों को एक साथ जोड़ने (थिएटराइजेशन) का मकसद सिर्फ संगठन के ढांचे को बदलना नहीं होना चाहिए, बल्कि इसका असली उद्देश्य युद्ध लड़ने की हमारी क्षमता को और बेहतर बनाना तथा देश की सैन्य शक्ति को असल मायने में मजबूत करना होना चाहिए।''

नौसेना प्रमुख ने कहा कि सेना के तीनों अंगों का तालमेल (संयुक्तता) सिर्फ एक अवधारणा नहीं, बल्कि युद्ध जीतने की एक अनिवार्य जरूरत है। उन्होंने जोर दिया कि जो भी नया ढांचा तैयार किया जाए, उसमें समुद्री चुनौतियों और हकीकतों का पूरा ध्यान रखा जाना चाहिए, साथ ही वह देश के साझा युद्ध कौशल के बड़े लक्ष्यों के साथ पूरी तरह मेल खाना चाहिए।

पश्चिम एशिया में बढ़ते संकट को देखते हुए, थलसेना, नौसेना, वायुसेना और तटरक्षक बल की परिसंपत्तियों तथा कर्मियों को मिलाकर एक विशिष्ट नौसैनिक थिएटर कमान बनाने की बात पर ध्यान दिया जा रहा है। इस व्यापक रूपरेखा में उत्तरी तथा पश्चिमी मोर्चों के प्रबंधन के लिए दो और थिएटर कमान बनाने की बात कही गई है।

एडमिरल त्रिपाठी ने यह भी कहा कि पश्चिम एशिया में जारी अस्थिरता और रूस-यूक्रेन संघर्ष ''साफ याद दिलाते हैं'' कि सुरक्षा का विषय आपस में जुड़ा हुआ है, और संघर्ष से दूरी का मतलब उसके नतीजों से दूरी नहीं है।

पद्मनाभस्वामी मंदिर से बहुमूल्य वस्तुएं गायब नहीं हुईं : त्रावणकोर शाही परिवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। केरल के त्रावणकोर शाही परिवार ने यहां स्थित श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर से बहुमूल्य वस्तुएं गायब होने के आरोपों का शनिवार को खंडन किया।

पूर्व शाही परिवार के सदस्य आदित्य वर्मा ने एक टीवी चैनल को बताया कि जिन कीमती वस्तुओं के गायब होने का दावा किया जा रहा है, वे सभी मंदिर के मुख्य देवता-अनंत पद्मनाभस्वामी के रूप में भगवान विष्णु-के ठीक पास सुरक्षित मौजूद हैं। अनंत पद्मनाभ त्रावणकोर के पूर्व शाही परिवार के आराध्य देवता हैं। वर्मा ने उस पुलिस रिपोर्ट की विश्वसनीयता पर भी सवाल उठाया, जिसमें मंदिर से बहुमूल्य वस्तुएं गायब होने का दावा किया गया है। उन्होंने कहा, ''मंदिर में तैनात पुलिसकर्मियों, मंदिर की प्रशासनिक समिति के अध्यक्ष, जो तिरुवनंतपुरम के वर्तमान जिला न्यायाधीश हैं, तथा समिति के अन्य सदस्यों में से किसी को भी किसी बहुमूल्य वस्तु के गायब होने की जानकारी नहीं थी।'' उन्होंने कहा, ''ऐसे में एकतरफा पुलिस रिपोर्ट किस आधार पर तैयार की गई? यह हैरानी की बात है।''

वर्मा ने कहा कि व्यक्तिगत रूप से सत्यापन किया गया और जिन वस्तुओं के गायब होने का दावा किया गया था, वे अपने सामान्य स्थान पर, मुख्य देवता के ठीक समीप मौजूद पाई गईं। उन्होंने कहा कि मामले की सच्चाई का पता लगाने के लिए राज्य पुलिस प्रमुख, मुख्यमंत्री, गृह मंत्री और देवस्वओम मंत्री को पत्र भेजे जाएंगे। सुरक्षा में चूक तथा कुछ मेहमानों द्वारा मंदिर के उस मार्ग का इस्तेमाल किए जाने के दावों पर, जो केवल शाही परिवार के सदस्यों के लिए निर्धारित है, वर्मा ने इन आरोपों से इनकार किया। उन्होंने कहा कि वह कभी भी किसी व्यक्ति को अपने साथ 'चेम्बकथिनमूडु' मार्ग से नहीं ले गए। यह मार्ग केवल शाही परिवार और मंदिर के पुजारियों के लिए निर्धारित है।

वर्मा ने कहा, हम अपने साथ मेहमानों को नहीं ले जाते। हम केवल अपने निकट संबंधियों या परिवार के सदस्यों को ही साथ लेकर जाते हैं।'' हालांकि, राज्य सरकार ने मंदिर में कथित सुरक्षा चूक और बहुमूल्य वस्तुओं के गायब होने के आरोपों की जांच कराने का निर्णय लिया है। श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर प्रशासनिक समिति ने शुक्रवार को जारी एक बयान में कहा था कि विस्तृत आंतरिक सत्यापन में पाया गया कि पुलिस रिपोर्ट में ''गायब'' हीरे की आभूषण सामग्री सुरक्षित रूप से गर्भगृह में रखी हुई है। समिति ने कहा कि मंदिर के कार्यकारी अधिकारी द्वारा आभूषणों, दीपकों और भंडार अभिलेखों के निरीक्षण के बाद प्रस्तुत रिपोर्ट में पुष्टि की गई है कि भक्तों द्वारा चढ़ाए गए स्वर्ण सिक्के, स्वर्ण बिस्कुट और अन्य भेंट सुरक्षित हैं तथा उनका विधिवत लेखा-जोखा रखा गया है। समिति ने सुरक्षा में सेंध के आरोपों को भी खारिज करते हुए कहा कि मंदिर में प्रवेश करने वाले सभी श्रद्धालुओं, कर्मचारियों और अतिथियों की जांच मंदिर में तैनात केरल पुलिस की सुरक्षा इकाई द्वारा की जाती है।

पद्मनाभस्वामी मंदिर से कीमती सामान गायब होने के आरोपों की जांच होगी : केरल देवस्वओम मंत्री

तिरुवनंतपुरम। केरल के देवस्वओम मंत्री के. मुरलीधरन ने शनिवार को कहा कि यहां श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर में कथित सुरक्षा चूक और मूल्यवान वस्तुओं के गायब होने की जांच गृह मंत्रालय से परामर्श के बाद शुरू की जाएगी। मंत्री ने इस मुद्दे पर गंभीरता से विचार किए जाने पर जोर देते हुए कहा कि किसी भी परिस्थिति में मंदिर की संपत्ति से छेड़छाड़ करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने यहां पत्रकारों को बताया कि सरकार ने मंदिर प्रशासनिक समिति से रिपोर्ट मांगी थी और उनकी प्रतिक्रिया आ चुकी है। मुरलीधरन ने कहा, हालांकि यह सरकार को जांच करने से नहीं रोकेगी। गृह मंत्रालय से चर्चा के बाद जांच की घोषणा की जाएगी। यह टिप्पणी श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर की प्रशासनिक समिति द्वारा पुलिस रिपोर्ट को खारिज करने के एक दिन बाद आई है। रिपोर्ट में मंदिर में कीमती सामान के गायब होने और सुरक्षा में चूक का आरोप लगाया गया। समिति ने रिपोर्ट तैयार करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी।

मंदिर के कोष से संबंधित विवरण सार्वजनिक नहीं किए जाने के बारे में पूछे गए सवालों पर मंत्री ने कहा कि मंदिर से जुड़े सभी खाते पारदर्शी होने चाहिए। उन्होंने कहा, ''भले ही मंदिर खातों को सार्वजनिक नहीं किया जाए लेकिन सरकार अपने पास मौजूद खातों का खुलासा करेगी। सरकारी कोष भी पारदर्शी होने चाहिए।'' शबरिमला मंदिर में कथित तौर पर सोना गायब होने के मामले में जारी विशेष जांच दल (एसआईटी) जांच से संबंधित मुद्दे का जिक्र करते हुए मुरलीधरन ने कहा कि सरकार अब तक की प्रगति से संतुष्ट नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार के पास विशेष जांच दल (एसआईटी) को बदलने का अधिकार नहीं है क्योंकि इसे उच्च न्यायालय द्वारा नियुक्त किया गया है। उन्होंने कहा, ''हम कानूनी सलाह लेंगे और इस मामले में आगे की कार्रवाई करेंगे।''

अभिनेता अजित कुमार की मां के निधन पर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री समेत नेताओं ने शोक जताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय, द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के अध्यक्ष एम. के. स्टालिन और कई अन्य नेताओं ने अभिनेता अजित कुमार की मां के निधन पर शनिवार को शोक जताया। विजय ने अपने शोक संदेश में कहा, ''मेरे प्रिय मित्र अजित कुमार की मां मोहिनी के निधन की खबर सुनकर मुझे गहरा दुख हुआ। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि उनकी आत्मा को शांति मिले। अपनी स्नेहमयी मां को खोने वाले अजित कुमार और उनके परिवार के प्रति मैं हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं। ईश्वर उन्हें इस कठिन समय में शक्ति और सांत्वना दें।''

स्टालिन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर शोक व्यक्त करते हुए कहा, ''मेरे प्रिय भाई अजित कुमार की मां मोहिनी मणि के निधन की खबर सुनकर मुझे गहरा दुख हुआ। मेरे पास अजित कुमार को सांत्वना देने के लिए शब्द नहीं हैं। उन्होंने उस मां को खो दिया है, जिसने उन्हें जन्म दिया और उन्हें जीवन में ऊंचाइयों पर पहुंचते देखकर गर्व और खुशी महसूस की। अजित कुमार और उनके परिवार के प्रति हार्दिक संवेदना एवं सहानुभूति व्यक्त करता हूं।''

पलानीस्वामी ने अपने शोक संदेश में कहा कि ''अजित कुमार की मां के निधन की खबर सुनकर उन्हें ''गहरा दुख'' हुआ। उन्होंने कहा, मां को खोना किसी भी व्यक्ति के जीवन की सबसे बड़ी क्षति होती है। अपनी स्नेहमयी मां को खोने का गहरा दुख झेल रहे मेरे प्रिय भाई अजित कुमार के प्रति मैं गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं।''

पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) के नेता अंबुमणि रामदास ने कहा, ''तमिल फिल्म अभिनेता अजित कुमार की मां मोहिनी मणि के निधन की खबर सुनकर मैं स्तब्ध और अत्यंत दुखी हूं। इस दुनिया में मां को खोने से बड़ा कोई दुख नहीं। अभिनेता अजित कुमार, उनके परिवार, मित्रों और इस गहरे दुख में शामिल सभी लोगों के प्रति मैं हार्दिक संवेदना और सहानुभूति व्यक्त करता हूं।''

महिला से 'दुर्व्यवहार' पर असम के मजदूर को भीड़ ने पीटकर मार डाला

चेन्नई। महिला से कथित दुर्व्यवहार पर तिरुवल्लूर जिले में भीड़ ने असम के एक प्रवासी मजदूर को पीटकर मार डाला। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान प्रोसेनजीत दास (35) के रूप में हुई है, जो असम के छह मजदूरों के साथ रोजगार की तलाश में तिरुवल्लूर आया था और एक किराये के कमरे में रह रहा था। प्रारंभिक जांच में पता चला कि शराब के नशे में दास ने शुक्रवार शाम पानी मांगने के बहाने महिला के घर में उसके साथ अभद्र व्यवहार किया। महिला ने जबरन दरवाजा बंद किया और वह अंदर चली गई। जब आरोपी ने चाकू से खिड़कियों को नुकसान पहुंचाना शुरू किया तो महिला ने रिश्तेदारों को बुलाया। रिश्तेदार और कुछ स्थानीय लोगों का एक समूह मौके पर जमा हो गया और उन्होंने कथित तौर पर दास पर हमला किया, जिसकी बाद में चोटों के कारण मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

अग्निवीरों ने पासिंग आउट परेड में किया साहस और अनुशासन का प्रदर्शन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। मद्रास इंजीनियरिंग ग्रुप एंड सेंटर के परेड ग्राउंड पर शनिवार को 2,181 अग्निवीरों की पासिंग आउट परेड हुई। उन्होंने सख्त प्रशिक्षण के बाद यह मुकाम हासिल किया है। अब वे अटूट लगन के साथ आगे बढ़ने और राष्ट्र की सेवा करने के लिए तैयार हैं। समारोह प्रशिक्षण के दौरान विकसित हुए परिवर्तन, अनुशासन, जुझारूपन और जज़्बे का प्रतीक था। गोविंदास्वामी ड्रिल स्क्वायर पर आयोजित परेड सैन्य सटीकता और अनुशासन का शानदार प्रदर्शन थी। अग्निवीरों ने मिलिट्री बैंड की धुनों पर पूर्ण तालमेल के साथ मार्च किया और अपनी वेशभूषा, आत्मविश्वास तथा ड्रिल के असाधारण मानकों का प्रदर्शन किया। उनके प्रदर्शन ने उच्च स्तरीय प्रशिक्षण और मद्रास सैपर्स की गौरवशाली परंपरा को दर्शाया। विशिष्ट समीक्षा अधिकारी ब्रिगेडियर अजय सिंह ठाकुर (कमांडेंट, मद्रास इंजीनियर ग्रुप एंड सेंटर) थे। उन्होंने अग्निवीरों को प्रशिक्षण सफलता-पूर्वक पूरा करने पर बधाई दी और उनके द्वारा प्रदर्शित समर्पण, दृढ़ संकल्प और लगन की सराहना की। समीक्षा अधिकारी ने सैन्य जीवन में साहस, अनुशासन, ईमानदारी और शौर्य के महत्त्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने युवा सैनिकों को उनके भविष्य के सभी कार्यों में भारतीय सेना के मूल्यों और परंपराओं को बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया। इन सैनिकों के माता-पिता को 'गौरव पदक' से सम्मानित किया गया।

जंगली हाथी के हमले में बुजुर्ग की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

त्रिशूर। केरल के त्रिशूर जिले में अथिराप्पल्ली के पास शुक्रवार देर रात एक जंगली हाथी के हमले में 62 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। वन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि यह घटना व्यक्ति के घर के पास हुई। मृतक की पहचान मोहनन के रूप में हुई है। वन मंत्री शिबू बेबी जॉन ने पत्रकारों को बताया कि एक सप्ताह में यह तीसरी ऐसी घटना है। उन्होंने कहा कि वन्यजीव हमलों की समस्या का समाधान केवल सामूहिक प्रयासों से ही संभव है।

जॉन ने बताया कि सरकार इस समस्या के दीर्घकालिक समाधान के लिए एक योजना पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि इसके तहत पिछले छह महीनों में वन्यजीव हमलों से हुई मौतों की तथ्यान्वेषी जांच के आदेश दिए गए हैं।

अधिकारी के अनुसार, यह घटना देर रात करीब 2:45 बजे हुई, जब मोहनन और उनके दो रिश्तेदार जंगल के करीब स्थित उनके इलाके में आए एक हाथी को भगाने की कोशिश कर रहे थे। अधिकारी के अनुसार, हमले के बाद हाथी वापस जंगल में लौट गया। अधिकारी ने बताया कि हाथी के हमले में मोहनन गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

उन्होंने बताया कि घटना के बाद वन विभाग के अधिकारी इलाके में मौजूद हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हाथी जंगल में लौट चुका है और दोबारा न आए। स्थानीय निवासियों ने आरोप लगाया कि वे लंबे समय से हाथियों के हमलों के डर में जी रहे हैं और सरकार की ओर से ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं।

वन मंत्री ने बताया कि मृतक के परिवार को 14 लाख रुपये की आर्थिक सहायता मंजूर की गई है, जिसकी पहली किस्त तुरंत दी जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि अब से किसी भी वन्यजीव हमले की जिम्मेदारी वन विभाग की होगी और पीड़ित परिवारों के लिए सभी औपचारिक प्रक्रियाएं आसान की जाएंगी तथा उन्हें आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि इस संबंध में सोमवार को एक बैठक भी की जाएगी, जिसमें क्षेत्र की वन्यजीव संबंधी समस्याओं पर चर्चा होगी।

तेनकासी, तिरुनेलवेली जिलों में गिरोह के हमले में सात दलित घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के तेनकासी और तिरुनेलवेली जिलों में शुक्रवार को एक गिरोह द्वारा कथित रूप से किए गए हमले में दलित समुदाय के सात लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, नकाब पहने नौ लोग दोपहिया वाहनों पर सवार होकर शुक्रवार को तेनकासी के नेतूर गांव पहुंचे और उन्होंने लोगों पर दरांतियों से अंधाधुंध हमला कर दिया। इसने बताया कि तिरुनेलवेली जिले में इसी तरह के हमले में एक व्यक्ति घायल हो गया।

पुलिस के अनुसार, हमलावर वारदात के तुरंत बाद मौके से फरार हो गए। कुल सात लोग घायल हुए हैं और उन्हें नजदीकी सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इसने कहा कि मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है। पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) नेता अंबुमणि रामदास ने दलितों पर हमले की इस घटना को लेकर आश्चर्य जताते हुए शनिवार को आरोप लगाया कि तमिलनाडु सरकार ऐसी हिंसा को रोकने में ''विफल'' रही है।

उन्होंने कहा, ''इस प्रकार की घटनाओं ने दक्षिणी जिलों को लंबे समय तक भय के माहौल में रखा है। ऐसी घटना दोबारा नहीं होने दी जानी चाहिए।''

रामदास ने मांग की कि जिला प्रशासन प्रभावित गांवों में सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए तत्काल कदम उठाए।

शिवकुमार ने राज्यपाल गहलोत से मुलाकात की, कर्नाटक में नई सरकार बनाने का दावा पेश किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में कांग्रेस विधायक दल के नवनिर्वाचित नेता डी के शिवकुमार ने शनिवार को राजभवन में राज्यपाल थावरचंद गहलोत से मुलाकात करके राज्य में नयी सरकार बनाने का दावा पेश किया। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। शिवकुमार के साथ पूर्व मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और कांग्रेस महासचिव (संगठन) के सी वेणुगोपाल और कांग्रेस के कर्नाटक मामलों के प्रभारी महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला भी थे।

इससे पहले, शिवकुमार को कांग्रेस विधायक दल का नेता चुना गया, जिससे उनके राज्य का अगला मुख्यमंत्री बनने का मार्ग प्रशस्त हो गया। शिवकुमार का नये मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण समारोह तीन जून को यहां लोक भवन के ग्लास हाउस में होगा। सिद्दरामय्या सरकार में शिवकुमार ने उपमुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया। सिद्दरामय्या ने बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था और राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने अगले दिन उनका इस्तीफा स्वीकार करके मंत्रिपरिषद भंग कर दी।

गौरतलब है कि विधायक दल की बैठक के पूर्व भी कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डी के शिवकुमार ने शनिवार को यहां लोक भवन में राज्यपाल थावरचंद गहलोत से मुलाकात की।

शिवकुमार को राज्य का अगला मुख्यमंत्री बनाए जाने की प्रबल संभावना जताई जा रही है। यह मुलाकात कांग्रेस विधायक दल के नेता के रूप में शनिवार शाम उनके संभावित निर्वाचन से पहले हुई। सूत्रों के अनुसार, शिवकुमार ने नये मुख्यमंत्री और मंत्रिपरिषद के शपथ ग्रहण को लेकर राज्यपाल से अनौपचारिक चर्चा की क्योंकि राज्यपाल के उपराष्ट्रपति के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए रविवार को दक्षिण कन्नड़ जिले के धर्मस्थल रवाना होने की संभावना है।

मुख्यमंत्री का पद छोड़ने से पहले 'गृह लक्ष्मी' योजना का बकाया भुगतान करें सिद्दरामय्या : भाजपा नेता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक एस. सुरेश कुमार ने कर्नाटक के निवर्तमान मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या से गृह लक्ष्मी योजना' के लाभार्थियों के लिए कथित तौर पर निर्धारित 5,000 करोड़ रुपये की स्थिति स्पष्ट करने का शनिवार को आग्रह किया। कुमार ने दावा किया कि फरवरी और मार्च 2025 के लिए पात्र परिवारों को इस योजना के तहत भुगतान नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि सिद्दरामय्या को पद छोड़ने से पहले लाभार्थियों को उनकी बकाया राशि का भुगतान कर देना चाहिए। राजाजीनगर के विधायक ने सिद्दरामय्या को लिखे एक पत्र में कहा कि यह मुद्दा सबसे पहले नौ दिसंबर 2025 को बेलगावी के सुवर्ण सौधा में शीतकालीन सत्र के दौरान भाजपा विधायक महेश तेंगिनाकाई द्वारा विधानसभा में उठाया गया था। उन्होंने लिखा कि पांच महीने बीत जाने के बाद भी इसका कोई जवाब नहीं मिला।

सुरेश कुमार ने कहा, ''राज्य के खजाने पर पूरा नियंत्रण रखने वाले व्यक्ति के तौर पर यह आपकी (सिद्दरामय्या) ज़िम्मेदारी है कि आप राज्य की जनता को फरवरी और मार्च 2025 के 'गृह लक्ष्मी' भुगतानों की स्थिति के बारे में सूचित करें, जो लाभार्थियों तक पहुंचने थे। यह किसी भी सरकार की नैतिक ज़िम्मेदारी का सवाल है।'' भाजपा नेता ने कहा कि विधानसभा में तेंगिनाकाई ने आरोप लगाया था कि कांग्रेस सरकार की इस प्रमुख योजना के तहत राज्यभर के परिवारों को फरवरी और मार्च 2025 का भुगतान नहीं मिला, जिसकी कुल राशि 5,000 करोड़ रुपये है।

डीके शिवकुमार : कांग्रेस के संकटमोचक से कर्नाटक के मुख्यमंत्री तक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। दोड्डा अलाहल्ली गांव की धूल भरी गलियों से लेकर कर्नाटक के सर्वोच्च राजनीतिक पद तक, डी. के. शिवकुमार की चार दशक लंबी यात्रा उनके संघर्ष, विजय और कांग्रेस के प्रति अटूट निष्ठा को दर्शाती है। शिवकुमार को 'कनकपुरा बंडे' के नाम से जाना जाता है (यानी कनकपुरा की ग्रेनाइट चट्टान) यह वही विधानसभा क्षेत्र है जिसका वे प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने कांग्रेस पार्टी के 'संकट मोचक' के रूप में भी ख्याति अर्जित की है। उन्हें राजनीति में पहला बड़ा मौका 1985 में मिला जब उन्होंने कांग्रेस के टिकट पर सथानूर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ा, हालांकि वे असफल रहे। चार साल बाद, उन्होंने उस निर्वाचन क्षेत्र से जीत हासिल की और 1989 में विधानसभा में प्रवेश किया। तब से, उन्होंने बिना किसी रुकावट के लगातार आठ विधानसभा चुनाव जीते हैं।

पिछले कुछ वर्षों में, 64 वर्षीय नेता ने स्वयं को कांग्रेस पार्टी के प्रमुख वोक्कालिगा नेता के रूप में स्थापित किया है। वोक्कालिगा कर्नाटक के प्रमुख कृषि समुदायों में से एक हैं। कांग्रेस आलाकमान ने 2017 में शिवकुमार के राजनीतिक प्रबंधन कौशल की परीक्षा ली, जब उन्हें राज्यसभा चुनावों से पहले बेंगलूरु में गुजरात के 42 कांग्रेस विधायकों की सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई ताकि 'क्रॉस वोटिंग' को रोका जा सके। वह पार्टी नेतृत्व की उम्मीदों पर खरा उतरे और गुजरात से कांग्रेस उम्मीदवार अहमद पटेल ने जीत दर्ज की।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि इस घटना ने शिवकुमार को व्यक्तिगत और राजनीतिक रूप से भारी नुकसान पहुंचाया, क्योंकि उस दौरान आयकर विभाग ने उनसे जुड़ी संपत्तियों पर छापेमारी की थी। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि यह कार्रवाई राजनीतिक रूप से प्रेरित थी। इसके बाद प्रवर्तन निदेशालय द्वारा कई छापे और तलाशी अभियान भी चलाए गए। शिवकुमार को तीन सितंबर 2019 को गिरफ्तार कर लिया गया और उन्हें दिल्ली की तिहाड़ जेल में 50 दिनों के लिए रखा गया। हालांकि कई लोगों का मानना था कि कारावास से वह 'डर' जाएंगे या भाजपा के खेमे में चले जाएंगे, लेकिन कांग्रेस के प्रति उनकी निष्ठा और भी मजबूत होती नजर आई।

उनके संगठनात्मक कौशल, राजनीतिक दृढ़ता और पार्टी के प्रति प्रतिबद्धता ने कांग्रेस आलाकमान को प्रभावित किया, जिसने उन्हें 2020 में कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष नियुक्त किया। शिवकुमार ने कर्नाटक में कांग्रेस के लिए एक कठिन दौर में कार्यभार संभाला। पार्टी ने 2018 के विधानसभा चुनावों में खराब प्रदर्शन किया था, और 2019 के लोकसभा चुनावों में यह झटका और गहरा गया, जब नरेन्द्र मोदी लहर के बीच कांग्रेस राज्य की 28 सीटों में से केवल एक सीट जीतने में कामयाब रही। भाजपा ने 26 सीटें जीतीं जिनमें मंडया से भाजपा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार सुमालता अंबरीश की सीट भी शामिल थी। कांग्रेस को एकमात्र जीत बेंगलूरु ग्रामीण से मिली, जिसे शिवकुमार के भाई डीके सुरेश ने जीता। लोकसभा चुनाव में मिली करारी हार के एक महीने बाद, एचडी कुमारस्वामी के नेतृत्व वाली कांग्रेस-जद(एस) गठबंधन सरकार 18 कांग्रेस और जद(एस) विधायकों की अयोग्यता के बाद गिर गई। इनमें से कई विधायक बाद में भाजपा में शामिल हो गए और पार्टी को राज्य में चौथी बार सत्ता में लौटने में मदद की। इसके बाद 18 सीटों पर हुए उपचुनाव कांग्रेस-जद(एस) गठबंधन के लिए किसी बुरे सपने सरीखे रहे, जिसमें भाजपा ने 15 सीटों पर जीत हासिल की।

खराब प्रदर्शन के बाद, तत्कालीन केपीसीसी अध्यक्ष दिनेश गुंडू राव ने इस्तीफा दे दिया, जबकि सिद्दरामय्या ने कांग्रेस विधायक दल के नेता पद से इस्तीफा दे दिया। इन्हीं परिस्थितियों में कांग्रेस नेतृत्व ने 2020 में अपने भरोसेमंद सहयोगी शिवकुमार की ओर रुख किया, एक ऐसा निर्णय जिसने बाद में राज्य में पार्टी को पुनर्जीवित किया। उनके नेतृत्व में, कांग्रेस ने 2023 के कर्नाटक विधानसभा चुनावों में भारी बहुमत के साथ सत्ता में वापसी की, और 224 सदस्यीय सदन में 134 सीटें जीतीं।

शिवकुमार के अनुसार, निर्दलीय विधायकों के समर्थन से पार्टी की प्रभावी संख्या बाद में बढ़कर 140 हो गई। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान उन्हें एक और महत्वपूर्ण परीक्षा का सामना करना पड़ा, जहां उन्होंने 2019 में कर्नाटक में कांग्रेस की एक सीट की संख्या को 2024 में नौ सीटों तक बढ़ाकर एक बार फिर अपनी राजनीतिक सूझबूझ का प्रदर्शन किया। 2023 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की शानदार जीत के बाद, शिवकुमार को बेंगलूरु विकास और जल संसाधन मंत्रालय का प्रभार सौंपते हुए उपमुख्यमंत्री नियुक्त किया गया था। कुछ नेताओं द्वारा राज्य इकाई के नेतृत्व में बदलाव की मांग के बावजूद, वे कर्नाटक कांग्रेस के अध्यक्ष के भी बने रहे। कांग्रेस द्वारा वर्ष 2023 में सरकार बनाने के कुछ ही समय बाद, सत्ता-साझाकरण व्यवस्था की खबरें सामने आईं, जिसमें सिद्दरामय्या पांच साल के कार्यकाल के पहले आधे हिस्से के लिए मुख्यमंत्री के रूप में कार्य करेंगे, जिसके बाद शिवकुमार पदभार संभालेंगे। दोनों नेताओं ने इस दावे की न तो पुष्टि की और न ही खंडन किया। हालांकि, 20 नवंबर, 2025 को कांग्रेस सरकार के ढाई साल पूरे होने के बाद, नेतृत्व परिवर्तन और सिद्दरामय्या और शिवकुमार के बीच सत्ता संघर्ष को लेकर अटकलें तेज हो गईं। अंततः, शिवकुमार शनिवार को यहां कांग्रेस विधायक दल के नेता चुने गए और वे तीन जून को कर्नाटक के अगले मुख्यमंत्री के रूप में पदभार ग्रहण करने के लिए तैयार हैं।

बेंगलूरु दक्षिण जिले के कनकपुरा कस्बे के पास दोड्डा अलाहल्ली गांव में केम्पेगौड़ा और गौराम्मा के घर 15 मई, 1962 को जन्मे शिवकुमार ने 1980 के दशक की शुरुआत में अपने कॉलेज के दिनों के दौरान राजनीति में प्रवेश किया। 1993 में शिवकुमार ने उषा से शादी की। इस दंपति की दो बेटियां, ऐश्वर्या और आभरना और एक बेटा, आकाश है।

ईमानदारी और पारदर्शिता ही सुशासन की पहचान : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि विकसित राजस्थान 2047 के संकल्प को पूरा करने में कार्मिकों की अहम भूमिका है। ईमानदारी और पारदर्शिता से किया गया कार्य ही सुशासन की पहचान बनता है। इसलिए जनता को समय पर सेवाएं देकर कार्य संस्कृति को मजबूत बनाना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने आह्वान किया कि कार्मिक अपनी सेवा में पूर्ण शुचिता को अपनाएं और भ्रष्ट आचरण के दलदल से दूर रहकर जन सेवा के ध्येय को और अधिक मजबूत बनाएं।

मुख्यमंत्री शनिवार को जयपुर के आरआईसी में आयोजित राजस्थान नगर पालिका कर्मचारी फेडरेशन के नवम महाधिवेशन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'न खाऊंगा और न खाने दूंगा' के मूलमंत्र पर चलते हुए हमने 103 अधिकारियों को निलंबित किया है, 6 अफसरों को सेवा से बर्खास्त किया है और 11 भ्रष्ट अधिकारियों की आजीवन पेंशन पर रोक लगाई है। वहीं रिश्वत, ट्रैप, पद का दुरुपयोग, आय से अधिक संपत्ति प्रकरणों के 108 मामलों में अभियोजन स्वीकृति दी है और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17-ए के तहत 37 अन्य प्रकरणों में भी कठोर कार्रवाई की है।

उन्होंने कहा कि स्वच्छता और बेहतर नागरिक सुविधाएं शहर की पहचान होती हैं। प्रदेश के शहरों को स्वच्छ और सुंदर बनाये रखने में नगर पालिका कर्मचारी सबसे महत्वपूर्ण कड़ी हैं, जो हर समय जनता की सेवा में जुटे रहते हैं। उन्होंने कहा कि स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 में 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में जयपुर ग्रेटर नगर निगम ने पूरे देश में 16वां स्थान प्राप्त किया, वहीं 3 लाख से 10 लाख की आबादी वाले शहरों में उदयपुर 13वें स्थान पर रहा है। उन्होंने कहा कि हमें प्रदेश के शहरों को स्वच्छता में देश में अग्रणी बनाने के लक्ष्य के साथ काम करना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री की स्वच्छ भारत मिशन की पहल देश में आज जन आंदोलन बन चुकी है। इस अभियान के माध्यम से लोगों की स्वच्छता की आदतों में बदलाव आया है। वहीं, घर-घर में शौचालय बनवाकर हमारी माता-बहनों के जीवन को एक गरिमा प्रदान की गई है। साथ ही, शहरों में अच्छे बुनियादी ढांचे और नागरिक सुविधाओं के विकास के लिए स्मार्ट सिटी मिशन प्रारंभ किया गया है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से देशभर में जल संचय-जनभागीदारी अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान को सशक्त बनाने के क्रम में राज्य में गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान संचालित किया जा रहा है। इसके साथ ही हमारी सरकार ने हरियालो राजस्थान अभियान में अभी तक प्रदेशभर में लगभग 20 करोड़ पौधे लगाए हैं और इस वर्ष भी 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य तय किया है। इसके तहत प्रदेश में पहली बार चंदन वन भी विकसित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने सभी देशवासियों से ऊर्जा की बचत और मितव्ययिता को अपनाने का आह्वान किया है, जिसमें हम सभी अपना सहयोग दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री कहा कि राज्य सरकार तकनीक, पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ आगे बढ़ते हुए स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित शहरों के निर्माण के लिए कार्य कर रही है। इसी दिशा में पेयजल, सीवरेज, ड्रेनेज तथा डिजिटल नगर सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है। अमृत 2.0 के तहत 11 हजार 560 करोड़ रुपये की राशि से राज्य के 200 शहरों और कस्बों में 363 परियोजनाओं पर काम हो रहा है। शहरी क्षेत्रों के लिए नई टाउनशिप नीति 2024 लागू की गई है। हमारा लक्ष्य है कि शहरों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार के साथ ही आधुनिक सफाई व्यवस्था और ठोस कचरा प्रबंधन सुदृढ़ हो।

उन्होंने कहा कि आमजन का सबसे पहला और सीधा संपर्क नगर निकाय के कर्मचारियों से ही होता है। ये सफाई, पेयजल, सड़क से लेकर सीवर, पार्कों का रखरखाव, अग्निशमन व जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र जैसी सेवाओं के माध्यम से जनता के जीवन को आसान और सुरक्षित बनाते हैं। तेजी से बढ़ते शहरीकरण के इस दौर में आने वाले वर्षों में नगर निकायों की भूमिका और भी अधिक निर्णायक, व्यापक और महत्वपूर्ण होने जा रही है। ऐसे में वे सभी अपनी सेवा और समर्पण की भावना से प्रदेश को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान के विकास के लिए पानी और बिजली के क्षेत्र में विभिन्न परियोजनाओं को धरातल पर उतारा जा रहा है। राइजिंग राजस्थान के तहत लगभग 9 लाख करोड़ रुपये के एमओयू धरातल पर उतर चुके हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने एसआईटी और एजीटीएफ का गठन किया, प्रदेश में पेपरलीक पर लगाम लगाई तथा युवाओं को निरंतर नौकरी के अवसर उपलब्ध करवा रहे हैं। इससे पहले मुख्यमंत्री ने कर्मचारी कल्याण स्मारिका का विमोचन किया।

गेहूं खरीद की समय सीमा बढ़ाने की मांग को किसान रेल पटरी पर बैठे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में हनुमानगढ़ जिले के पीलीबंगा कस्बे में गेहूं खरीद की समय सीमा और खरीद का लक्ष्य बढ़ाने की मांग को लेकर सैकड़ों किसानों ने शनिवार को विरोध प्रदर्शन किया तथा कुछ समय के लिए एक रेल लाइन को अवरुद्ध कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि प्रदर्शनकारी करीब एक घंटे तक बीकानेर-हनुमानगढ़ रेल लाइन पर बैठे रहे जिससे आवाजाही बाधित हुई। उन्होंने बताया कि बाद में प्रशासन के समझाने-बुझाने पर प्रदर्शनकारी ट्रैक खाली करके अपने विरोध स्थल पर लौट गए।

किसान सुबह सभा के लिए इकट्ठा हुए और अपने नेताओं की अपील पर सड़क पार करके करीब 50 मीटर दूर स्थित रेल लाइन पर पहुंचे। उन्होंने वहां धरना दिया। किसान गेहूं खरीद की समय सीमा बढ़ाने और खरीद का लक्ष्य बढ़ाने की अपनी मांगों को लेकर पिछले दो दिनों से उपखंड अधिकारी कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। इस आंदोलन के तहत उन्होंने शुक्रवार को रास्ता भी रोका।

प्रदर्शनकारियों के अनुसार मंडियों में अब भी बड़ी मात्रा में गेहूं पड़ा है जबकि खरीद की अवधि समाप्त होने वाली है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन के साथ कई दौर की बातचीत के बावजूद कोई ठोस समाधान नहीं निकल पाया है। अधिकारियों ने बताया कि बृहस्पतिवार और शुक्रवार को प्रशासन एवं किसान नेताओं के बीच कई दौर की चर्चाएं हुईं लेकिन बातचीत बेनतीजा रही।

किसान नेता रघुवीर वर्मा ने कहा कि अधिकारियों के साथ बातचीत तो चल रही है लेकिन खरीद की तारीख आगे बढ़ाने और लक्ष्यों में संशोधन करने के संबंध में निर्णय केवल सरकारी स्तर पर ही लिए जा सकते हैं। उन्होंने कहा, स्थानीय अधिकारी केवल आश्वासन दे रहे हैं लेकिन किसानों को तत्काल फैसला चाहिए। किसान संगठनों और व्यापारिक संगठनों ने मांग की है कि खरीद की अवधि 30 जून तक बढ़ाई जाए ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि किसानों की सारी उपज खरीदी जा सके।

प्रदर्शनकारियों ने बारदाने की कमी, गेहूं उठाने में देरी और खरीद केंद्रों पर स्लॉट बुकिंग में आने वाली समस्याओं जैसे मुद्दों का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि इन समस्याओं से उनके लिए हालात बदतर हो गए हैं।

जब चाय पर बुलाना था, तब पूर्व मुख्यमंत्री चर्चा से भागते रहे : गजेन्द्र सिंह शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर उनका नाम लिए बगैर तंज कसा। पूर्व मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए चाय के निमंत्रण और राजनीतिक तंज पर शेखावत ने कहा कि जब चाय पर बुलाने की जरूरत थी, जब वो राजस्थान के मुख्यमंत्री थे, राजस्थान को जल जीवन मिशन में सबसे ज्यादा संसाधन दिए गए थे, उस समय में चाय पर बुलाकर बात करने की, चर्चा करने का विषय था, चर्चा करने की आवश्यकता भी थी, लेकिन तब तिथियों पर तिथियां तय करने के बाद भी वो निरंतर भागते रहे। चाय पर बुलाने के बजाय कहीं और मुझे भेजने की कोशिश करते रहे, लेकिन नाकामयाब हुए। उसकी खिसियाट अभी भी शायद बाकी है।

शेखावत शनिवार को सुबह दिल्ली से अपने गृह जनपद पहुंचे। एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत में जोधपुर एयरपोर्ट के नए टर्मिनल से संबंधित विकास कार्यों की शुरुआत को लेकर पूछे सवाल पर केंद्रीय मंत्री ने स्पष्ट किया कि नागरिक उड्डयन मंत्रालय इसके लिए लगातार प्रयासरत है। वर्तमान में कुछ तकनीकी और छोटे-मोटे विषय शेष हैं, जिन्हें शीघ्र ही पूरा कर लिया जाएगा। प्रधानमंत्री जी की उपलब्धता के आधार पर इसके उद्घाटन की तिथि निर्धारित की जा रही है, जिसके बाद इसे जनता को समर्पित कर दिया जाएगा।

आरएलपी कार्यकर्ताओं और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष से जुड़े एक सवाल पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में इस तरह की किसी घटना की गुंजाइश है। न इस तरह के किसी कृत की स्वीकारता है। शब्दों की मर्यादा सभी को बनाकर रखनी चाहिए। जिस तरह बयानबाजी हो रही है, जिस तरह के शब्दों का प्रयोग हो रहा है, वो शब्दों का प्रयोग चाहे कोई भी करे, गजेंद्र सिंह करे, चाहे यहां खड़े होकर प्रदेश के तीन बार मुख्यमंत्री रहे हुए व्यक्ति और तीन बार देश के मंत्री रहे हुए व्यक्ति करें या मैं खुद भी कहूं, सबको अपने शब्दों की मर्यादा और शब्दों का सम्मान बना करके रखना चाहिए। जम्मू-कश्मीर में पर्यटन से जुड़े सवाल पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वर्तमान सरकार के प्रयासों से वहां के हालात पूरी तरह बदल चुके हैं। कश्मीर के जमीनी बदलाव को शब्दों में बयां करना वैसे ही कठिन है, जैसे नीम की पत्ती के स्वाद को समझाना, इसे महसूस करने के लिए वहां जाना होगा।

उन्होंने कहा कि आज पूरा कश्मीर पर्यटकों से अटा पड़ा है। पिछले वर्ष की कुछ दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं के बाद जहां पहलगाम के पर्यटन को झटका लगा था, वहीं आज पहलगाम एक बार फिर देश-विदेश के सैलानियों की चहल-पहल और रौनक से गुलजार है।

ब्लू सिटी की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण को लेकर उन्होंने कहा कि यह केवल सरकार का काम नहीं है, बल्कि इससे कहीं अधिक समाज और आम नागरिकों की चिंता का विषय होना चाहिए। हम सभी जोधपुर वासियों को मिलकर अपनी अनमोल धरोहर की शुचिता और संस्कृति को अक्षुण्ण रखने के लिए आगे आना होगा। इसके लिए जनप्रतिनिधियों को आमजन के बीच जागरुकता बढ़ानी होगी। उन्होंने मीडिया से भी अपील की कि वे इस विषय पर केवल प्रश्न पूछने तक सीमित न रहें, बल्कि नागरिकों को जागरूक करने के लिए एक विशेष मुहिम चलाएं। जोधपुर में पर्यटकों की बढ़ती संख्या पर संतोष व्यक्त करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पिछले कुछ समय में हवाई जहाजों के फेरे बढ़े हैं, नया रेल नेटवर्क स्थापित हुआ है और सड़कों का कायाकल्प हुआ है। इस बेहतरीन इन्फ्रास्ट्रक्चर ग्रोथ और देश की मजबूत होती अर्थव्यवस्था के कारण ही आज पर्यटन क्षेत्र तेजी से गति पकड़ रहा है, जिसका सीधा लाभ स्थानीय विकास और अर्थव्यवस्था को मिल रहा है।

भ्रष्ट आचरण के दलदल से दूर रहें कर्मचारी, जन सेवा को ध्येय बनाएं : भजनलाल शर्मा

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 2047 तक विकसित राजस्थान के संकल्प को पूरा करने में कार्मिकों की भूमिका अहम रहने का दावा करते हुए कहा कि लोगों को समय पर सेवाएं प्रदान करने की कार्य संस्कृति को मजबूत बनाना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने आह्वान किया कि कार्मिक अपनी सेवा में पूर्ण शुचिता को अपनाएं और भ्रष्ट आचरण के दलदल से दूर रहकर जन सेवा के ध्येय को और अधिक मजबूत बनाएं। मुख्यमंत्री राजस्थान नगर पालिका कर्मचारी फेडरेशन के महाधिवेशन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार भ्रष्टाचार पर 'बिलकुल अस्वीकार्यता' (जीरो टॉलरेंस) की नीति पर काम कर रही है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'न खाऊंगा और न खाने दूंगा' के मूलमंत्र पर चलते हुए राज्य सरकार ने 103 अधिकारियों को निलंबित किया है, छह अधिकारियों को बर्खास्त किया है और 11 भ्रष्ट अधिकारियों की आजीवन पेंशन पर रोक लगाई है। उन्होंने कहा कि रिश्वत, ट्रैप, पद का दुरुपयोग, आय से अधिक संपत्ति प्रकरणों के 108 मामलों में अभियोजन स्वीकृति दी गयी है।

आधिकारिक बयान के अनुसार मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वच्छता और बेहतर नागरिक सुविधाएं शहर की पहचान होती हैं, ऐसे में शहरों को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने में नगर पालिका कर्मचारी सबसे महत्वपूर्ण कड़ी हैं। उन्होंने कहा, हमें राज्य के शहरों को स्वच्छता में देश में अग्रणी बनाने के लक्ष्य के साथ काम करना है। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री की स्वच्छ भारत मिशन की पहल देश में आज जन आंदोलन बन चुकी है तथा लोगों की स्वच्छता की आदतों में बदलाव आया है।

मौसम का महा-तांडव

पाकिस्तान से उठे रेतीले तूफान से राजस्थान के 4 जिलों में दिन में छाया अंधेरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीकानेर। उत्तर भारत से लेकर पूर्वी भारत तक मौसम ने ऐसा भयानक रूप अख्तियार किया है जिसकी कल्पना किसी ने नहीं की थी। शनिवार दोपहर राजस्थान के चार सीमावर्ती जिलों में पाकिस्तान से उठे एक विनाशकारी रेतीले तूफान ने दिन में ही रात जैसा अंधेरा ला दिया। वहीं, पिछले 24 से 48 घंटों के दौरान उत्तर प्रदेश और बिहार में आए भीषण अंधड़, आंधी और आकाशीय बिजली गिरने की घटनाओं में अब तक 48 लोगों की दर्दनाक मौत हो चुकी है। मौसम के इस जानलेवा यू-टर्न से आधा हिंदुस्तान सहम गया है। राजस्थान के मरुस्थलीय और उत्तर-पूर्वी जिलों में शनिवार दोपहर को प्रकृति का डरावना रूप देखने को मिला। चूरू, श्रीगंगानगर, बीकानेर और सीकर जिलों में अचानक धूल का एक ऐसा विशाल गुबार उठा, जिसने कई फीट ऊंची रेतीली दीवार का रूप ले लिया। तूफान का वेग इतना तीव्र (60 से 80 किलोमीटर प्रति घंटा) था कि देखते ही देखते चारों तरफ धूल छा गई और दृश्यता शून्य के करीब पहुंच गई। स्टेट हाईवे और शहरों में चल रहे वाहनों को दोपहर में ही हेडलाइट्स जलानी पड़ीं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में लोग जान बचाने के लिए भागकर अपने घरों को बंद करते हुए नजर आ रहे हैं। चूरू के सरदारशहर और बीकानेर में घरों के अंदर तक रेत की मोटी परतें जम गईं। स्थानीय बुजुर्गों का कहना है कि उन्होंने अपने जीवन में ऐसा रेतीला बवंडर पहले कभी नहीं देखा। इससे पूर्व, शुक्रवार रात सीकर जिले के न्यू भागेगा रेलवे स्टेशन के पास आए तीव्र अंधड़ के कारण एक डबल डेकर मालगाड़ी के 4 खाली कंटेनर पटरी से नीचे ट्रैक पर गिर गए थे।

एक तरफ जहां राजस्थान धूल के बवंडर से जूझ रहा है, वहीं उत्तर प्रदेश और बिहार में मौसम आफत बनकर बरसा है। दोनों राज्यों में पिछले दो दिनों से रुक-रुक कर आ रही तीव्र आंधी, ओलावृष्टि और आसमानी बिजली के कारण अलग-अलग हादसों में 48 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। सबसे ज्यादा मौतें पेड़, दीवार और होर्डिंग्स गिरने तथा आकाशीय बिजली की चपेट में आने से हुई हैं। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में भारी बारिश के बाद पहाड़ी दरकने से आए मलबे में कई गाड़ियां दब गईं। हिमाचल प्रदेश के रोहड़ू और मंडी में भारी ओलावृष्टि के कारण सेब की तैयार फसल पूरी तरह बर्बाद हो गई है, जिससे बागवानों को करोड़ों का नुकसान हुआ है। उत्तराखंड के हेमकुंड साहिब में भी ताजा बर्फबारी दर्ज की गई है।

इस मौसमी उथल-पुथल के बीच भारत मौसम विज्ञान विभाग ने मानसून को लेकर एक नया और चिंताजनक पूर्वानुमान जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, मानसून की रफ्तार थोड़ी धीमी पड़ी है और अब इसके अगले 7 दिनों में केरल के तट पर पहुंचने की संभावना है। अल-नीनो (एश्र छळपे) के बढ़ते प्रभाव के कारण इस साल देश में मानसूनी सीजन कमजोर रहने की आशंका है। इस साल जून से सितंबर के दौरान देश में औसतन 78 सेंटीमीटर बारिश होने का अनुमान है, जबकि भारत में सामान्य मानसूनी बारिश का औसत 87 सेंटीमीटर माना जाता है।

मौसम विभाग ने साफ किया है कि उत्तर प्रदेश और बिहार के कुछ हिस्सों में भले ही सामान्य बारिश हो जाए, लेकिन देश के अन्य बड़े हिस्सों, विशेषकर वर्षा पर निर्भर खेती वाले मैदानी इलाकों में मानसून बेहद कमजोर रह सकता है।

मौसम वैज्ञानिकों और डॉक्टरों ने चेतावनी दी है कि भले ही आंधी-बारिश से पारा गिरा हो, लेकिन नौतपा का असर अभी बाकी है। उमस बढ़ने से बच्चों और बुजुर्गों में हीट स्ट्रोक (लू) का खतरा बढ़ सकता है। बच्चों को दोपहर में बाहर भेजने से बचें और उन्हें तरबूज का रस, आम पन्ना, नींबू पानी और बेल का शरबत जैसे घरेलू और प्राकृतिक पेय पदार्थ ही पिलाएं।

बीकानेर अस्पताल में रेजिडेंट डॉक्टर से मारपीट, डॉक्टरों ने कार्य बहिष्कार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के बीकानेर में पीबीएम अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में मरीज ने एक रेजिडेंट डॉक्टर से कथित तौर से मारपीट की जिसके बाद शनिवार सुबह डॉक्टरों ने कुछ समय के लिए विरोध प्रदर्शन किया और कार्य बहिष्कार किया। मिली जानकारी के अनुसार डॉक्टर से मारपीट की यह घटना शुक्रवार रात हुई। इस घटना के बाद अस्पताल में तनाव फैल गया। रेजिडेंट डॉक्टरों ने आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और अस्पताल परिसर में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने की मांग की।

'रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन' (आरडीए) के अध्यक्ष डॉ. सुखविंदर सिंह के अनुसार देर रात सड़क दुर्घटना में घायल हुई युवती को इलाज के लिए ट्रॉमा सेंटर लाया गया था, रेजिडेंट डॉ. प्रतिभा ने उसका प्रारंभिक इलाज किया और दूसरे मरीज को देखने के लिए चली गईं। सिंह ने बताया कि युवती कथित तौर पर उनके पीछे-पीछे गई और किसी बात को लेकर उन्हें थप्पड़ मार दिया। सिंह के मुताबिक इस घटना की निंदा करते हुए रेजिडेंट डॉक्टरों ने कार्य बहिष्कार शुरू कर दिया और कहा कि जब तक पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित नहीं हो जाती, तब तक वे काम पर वापस नहीं लौटेंगे। इस विरोध प्रदर्शन के कारण ट्रॉमा सेंटर के कई विभागों में कुछ घंटों के लिए सेवाएं प्रभावित हुईं। पीबीएम अस्पताल के अधीक्षक डॉ. बी.सी. घीया ने बताया कि मुद्दे को सुलझाने के लिए अस्पताल प्रशासन और विरोध कर रहे डॉक्टरों के बीच एक बैठक हुई। उन्होंने कहा कि आरोपी युवती के खिलाफ पुलिस में मामला दर्ज कर लिया गया है और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं, जिनमें सीसीटीव कैमरे चालू करना और रात के समय की सुरक्षा व्यवस्था में सुधार करना शामिल है।

नागौर में ट्रक-कार की आमने-सामने भिड़ंत में 4 की मौत

नागौर। राजस्थान के नागौर जिले में शनिवार दोपहर एक भीषण सड़क हादसे ने चार लोगों की जान ले ली। सदर थाना क्षेत्र में रिंग रोड पर बासनी पुलिया के पास एक कार और ट्रक की आमने-सामने हुई जोरदार भिड़ंत में एक बच्चे और दो महिलाओं समेत चार लोगों की मौत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और हादसे के तुरंत बाद दोनों वाहनों में आग लग गई। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार शनिवार दोपहर करीब 3:40 बजे रिंग रोड पर तेज रफ्तार से आ रही कार और ट्रक के बीच आमने-सामने की टक्कर हो गई।

समस्याओं की सुनवाई व समाधान से बढ़ा जनविश्वास : मदन दिलावर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कोटा जिले की रामगंज मंडी विधानसभा क्षेत्र के चेचट इलाके में शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री श्री मदन दिलावर के नेतृत्व में निकाली जा रही 5 दिवसीय जनसंवाद पदयात्रा ग्रामीण क्षेत्र में जनविश्वास और जनसेवा के महोत्सव सा दृश्य प्रस्तुत कर रही है। शुक्रवार को पदयात्रा के दूसरे दिन गांव-गांव में उत्साह देखने को मिला। खेड़ली में रात्रि विश्राम के बाद सुबह करीब 8 बजे पदयात्रा शुरू हुई तो बड़ी संख्या में ग्रामीण स्वागत के लिए खड़े दिखाई दिए। कंवरपुरा, गुडाला, इंटर कॉलोनी चेचट और कोटड़ी सहित कई गांवों में महिलाएं, बुजुर्ग, युवा और बच्चे सुबह से ही पदयात्रा के इंतजार में मार्गों पर खड़े रहे। जैसे ही पदयात्रा गांवों में पहुंची, ग्रामीणों ने पुष्पवर्षा कर आत्मीय स्वागत किया।राजस्थानी घोड़ी नृत्य आकर्षण का केंद्र बना रहा। कई स्थानों पर ढोल-नगाड़ों और जयकारों के साथ स्वागत किया गया। पदयात्रा जिस गांव से आगे बढ़ती, वहां के ग्रामीण और कार्यकर्ता अपने गांव की सीमा तक छोड़ने पहुंचते और अगले गांव के लोग स्वागत के लिए पहले से इंतजार करते दिखाई देते। तपती धूप और भीषण गर्मी के बावजूद ग्रामीणों का उत्साह कहीं कम नहीं हुआ। ग्रामीणों का कहना था कि पहली बार इस तरह का आयोजन देखने को मिला है जिसमें जनप्रतिनिधि द्वारा गांव-गांव पैदल पहुंचकर सीधे संवाद किया जा रहा है। ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान किया जा रहा है। लोगों ने बताया

कि चेचट में शिक्षा के प्रसार, क्षेत्र में सडकों के विकास से आमजन को राहत मिल रही है।

पदयात्रा के दूसरे दिन शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री ने विभिन्न गांवों में कुल 2.50 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की घोषणाएं कीं। कंवरपुरा में आयोजित आमसभा में 2 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की घोषणा की गई। साथ ही विद्यालय परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। वंदे गंगा अभियान के तहत विद्यालय प्रशासन द्वारा मिट्टी का कलश भेंट कर स्वागत किया गया।

शाम करीब 6 बजे पदयात्रा कोटड़ी गांव पहुंची। यहां आयोजित आमसभा में भी बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे और विभिन्न समस्याओं से जुड़े आवेदन दिए गए। ग्रामीणों ने क्षेत्र में सड़क, पानी और अन्य विकास कार्यों की मांग रखी, जिन पर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। दूसरे दिन की पदयात्रा के बाद यात्रा झोपड़िया, हथोना और सांडियाखेड़ी की ओर रवाना हुई, जहां रात्रि विश्राम रहेगा।

खतरे के समय अंततः हिंसा ही अपनानी पड़ती है, यह काम बखूबी करती है भारतीय सेना : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि सामान्य जीवन में अहिंसा ही सर्वोच्च धर्म होना चाहिये लेकिन देश और समाज की सुरक्षा के लिए खतरे के सामने अंततः हिंसा ही अपनानी पड़ती है और भारतीय सेना यह काम पूरी मजबूती से करती है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ यहां 'नौसेना शौर्य वाटिका' का लोकार्पण करने के बाद अपने सम्बोधन में मुख्यमंत्री ने कहा, ''जब सुरक्षा के मोर्चे पर आप मजबूत होंगे तो दुनिया भी आपसे मैत्री करेगी लेकिन आप अगर कमजोर हैं तो याद रख लीजिए कि कमजोर के सामने कोई नहीं झुकता है। हमारी ऋषि परंपरा ने भी हमें ऐसी बात की प्रेरणा दी है।'' उन्होंने कहा, ''भारत की ऋषि परंपरा हमें इस बात की प्रेरणा देती है कि 'अहिंसा परमो धर्मः, धर्म हिंसा तदैव च।' यानी सामान्य जीवन में अहिंसा ही सर्वोच्च धर्म होना चाहिए लेकिन अगर सामने वाला देश और समाज की सुरक्षा के लिए खतरा है तो उसके लिए अहिंसा नहीं चल सकती है। उसके लिए तो हिंसा ही हमें अंततः अपनानी पड़ेगी और देश के दुश्मन के लिए यही हमारा धर्म भी है। यही काम भारतीय सेना पूरी मजबूती के साथ करती है।''

आदित्यनाथ ने नौसेना वाटिका का जिक्र करते हुए कहा कि राज्य के युवाओं को नौसेना के इस संग्रहालय के माध्यम से उसके शौर्य को एक नई सोच के साथ देखने, सुनने और जानने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि आज नौसेना शौर्य वाटिका के पहले चरण के काम का लोकार्पण किया जा रहा है, इसके आगे के कार्य भी और आगे बढ़ेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''मेरा मानना है कि भारतीय सेना के जो टैंक आज कार्य कर पाने की स्थिति में नहीं हैं, उन्हें महत्वपूर्ण चौराहों पर रखा जाना चाहिए। वह सेना के शौर्य का प्रतीक बनेगा। इससे युवा के मन में भारतीय सेना में जाने के लिए एक भाव पैदा होगा। राष्ट्रभक्ति से बढ़कर कुछ भी नहीं हो सकता है।'' इससे पहले, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'नौसेना शौर्य वाटिका' का उद्घाटन किया।

अधिकारियों के मुताबिक यह शौर्य वाटिका भारतीय नौसेना की बहादुरी, शौर्य और तकनीकी उत्कृष्टता को समर्पित है। लखनऊ के इकाना स्टेडियम के पास विकसित की गई इस वाटिका में भारतीय युद्धपोत आईएनएस गोमती के साथ-साथ नौसेना से जुड़ी कई चीजों का प्रदर्शन किया जा रहा है।

अंडर-17 एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में भारतीय महिलाओं ने जीते 10 पदक

नई दिल्ली/भाषा। भारत की महिला पहलवानों ने वियतनाम के दा नांग में हुई अंडर-17 एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 10 पदक जीते जिनमें दो स्वर्ण, तीन रजत और पांच कांस्य पदक शामिल हैं। दीक्षा (43 किग्रा) और गरिमा (73 किग्रा) ने टीम की अगुवाई की। उन्होंने अपने-अपने फाइनल मुकाबलों में जबरदस्त जीत हासिल करते हुए स्वर्ण पदक जीते। भारत ने निकिता (49 किग्रा), अंतरा (65 किग्रा) और तानिया (69 किग्रा) के ज़रिए तीन रजत पदक भी अपने नाम किए।

खादीशा फ्लयुक के खिलाफ कड़े मुकाबले वाले फाइनल में हारने के बाद तानिया उप विजेता रहीं, जबकि निकिता और अंतरा को भी अपने-अपने खिताबी मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा, जिसके बाद उन्हें रजत पदक से ही संतोष करना पड़ा। कांस्य पदक जीतने वालों में पलक (40 किग्रा), अनामिका (46 किग्रा), अक्षरा (53 किग्रा), साक्षी (57 किग्रा) और मान्या (61 किग्रा) शामिल हैं। इन सभी ने अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर पोडियम पर जगह बनाई। कांस्य पदक मुकाबलों में पलक ने अरुके नुरबेकोवना नुरबेकोवा को, अनामिका ने इंझू बक्कोझा को, अक्षरा ने एमा अराकावा को, साक्षी ने शियिंग वांग को और मान्या ने आइगेरिम पोलातबे को हराया। पदक की यह शानदार उपलब्धि आयु-वर्ग स्तर पर महिला कुश्ती में भारत की गहराई और निरंतरता को दर्शाती है। साथ ही यह एशियाई कुश्ती में एक मजबूत ताकत के तौर पर भारत की स्थिति को और भी पुख्ता करती है।

'डबल इंजन' सरकार के सभी लाभ प्राप्त करने के लिए केंद्र के साथ मिलकर काम करेगी बंगाल सरकार: शुभेंदु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने शनिवार को कहा कि उनकी सरकार केंद्र के साथ मिलकर काम करेगी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि राज्य को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित अन्य कई राज्यों की तरह 'डबल इंजन' सरकार के सभी लाभ प्राप्त हों।

केंद्रीय विद्युत तथा आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री मनोहरलाल की उपस्थिति में राज्य में 'स्वच्छ ऐप' की शुरुआत के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि विद्युत एवं शहरी विकास के मामले में राज्य के पुनर्निर्माण की काफी संभावनाएं हैं। मनोहरलाल ने शुभेंदु और राज्य की शहरी विकास मंत्री अग्निमित्रा पॉल की उपस्थिति में इस ऐप की शुरुआत की। यह ऐप प्रौद्योगिकी और नागरिकों की भागीदारी के माध्यम से नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। शुभेंदु ने कहा, ''मैं पश्चिम बंगाल के लोगों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि हम केंद्र सरकार के हर मंत्रालय के साथ मिलकर यह सुनिश्चित करेंगे कि 'डबल इंजन' सरकार के सभी लाभ, जो 20 अन्य राज्यों को मिल रहे हैं, हमारे राज्य को भी मिलें।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बार-बार इस बात पर खेद व्यक्त किया है कि स्वतंत्रता के बाद उद्योग और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में अग्रणी होने के बावजूद पश्चिम बंगाल का विकास अपेक्षित गति से नहीं हुआ।

मणिपुर के मुख्यमंत्री ने समावेशी और संतुलित विकास पर जोर दिया

इंफाल/भाषा। मणिपुर के मुख्यमंत्री वाई. खेमचंद सिंह ने शनिवार को कहा कि राज्य तभी प्रगति कर सकता है जब पहाड़ियों और घाटियों में रहने वाले सभी 36 समुदाय मिलकर विकास करें। उन्होंने समावेशी व संतुलित विकास की आवश्यकता पर जोर दिया। सिंह ने इंफाल में जनजातीय मामलों एवं पहाड़ी विभाग के 'जनजातीय गरिमा उत्सव 2026' के तहत आयोजित पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति (एसटी) योजना के लाभार्थियों के एक विशेष संवाद सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि छात्रवृत्ति कार्यक्रम का उद्देश्य समानता को बढ़ावा देना और सभी समुदायों का उत्थान करना है।

सीमावर्ती जिलों में जनसांख्यिकीय परिवर्तन सबसे गंभीर चुनौती: अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सीमांत जिलों में जनसांख्यिकीय परिवर्तन को देश के समक्ष सबसे गंभीर चुनौती बताते हुए इन घटनाक्रमों की सख्त निगरानी एवं नियमित रिपोर्टिंग पर जोर दिया है।

शनिवार को जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि शाह ने गुजरात के कच्छ जिले में स्थित भुज में शुक्रवार को सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। शाह ने कहा कि सीमा जिलों के प्रशासन को मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करनी चाहिए, ताकि मौजूदा घुसपैठियों की पहचान सुनिश्चित की जा सके तथा ड्रोन एवं मादक पदार्थ से जुड़े खतरों पर निगरानी रखी जा सके। विज्ञप्ति के अनुसार, शाह ने कहा कि सीमा जिलों में जनसांख्यिकीय परिवर्तन देश के सामने सबसे बड़ी चुनौती है और जिलाधिकारियों को ऐसे बदलावों की सख्त निगरानी करने के साथ ही नियमित रिपोर्टिंग सुनिश्चित करनी चाहिए। इसी सप्ताह की शुरुआत में केंद्रीय गृहमंत्री ने अवैध प्रवासन और अन्य अप्राकृतिक कारणों से देश में हो रहे जनसांख्यिकीय बदलावों का आकलन करने तथा उनसे निपटने के उपाय सुझाने के लिए एक उच्च स्तरीय समिति के गठन की घोषणा की थी। बैठक में शाह ने अंतरराष्ट्रीय सीमा के 0 से 15 किलोमीटर के दायरे में अनधिकृत अतिक्रमण के खिलाफ बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं करने की नीति अपनाने और सीमा क्षेत्रों में कट्टरपंथ से जुड़े केंद्रों पर कड़ी निगरानी रखने पर बल दिया। शुक्रवार की इस बैठक में गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी के साथ वरिष्ठ अधिकारी तथा कच्छ, वाव-थराद और पाटन जिलों के जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक शामिल हुए। गृहमंत्री ने कहा कि सीमा क्षेत्रों में औद्योगिक इकाइयों की स्थापना के कारण लोगों का वापस आना एक स्वागत योग्य घटनाक्रम है व पुलिस थानों से लेकर पटवारियों तक सभी को मिलकर काम करना चाहिए ताकि अवैध घुसपैठियों की पहचान करके उन्हें वापस भेजने की प्रक्रिया सुनिश्चित की जा सके।

मैं हारी नहीं हूं, व्यवस्था से लड़ रही हूं : विनेश फोगाट

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट ने शनिवार को एशियाई खेलों के चयन ट्रायल्स के सेमीफाइनल में मीनाक्षी गोयत से हारकर बाहर होने के बाद कहा कि वह 'हारी नहीं हैं' और संकल्प लिया कि वह और भी मजबूती से वापसी करेंगी। महिलाओं के 53 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में मीनाक्षी से 4-6 से हारने के बाद विनेश के पहले शब्द थे, ''मैं हारी नहीं हूं। '' विश्व चैंपियनशिप की पूर्व पदक विजेता ने कहा, ''मैं पूरी व्यवस्था से लड़ रही थी। मैं एक तरफ थी और बाकी सब दूसरी तरफ। मैं आज भी गर्व के साथ मैट पर खड़ी हूं। '' उन्होंने ऐलान किया कि मां बनने के बाद मुकाबले में वापसी करके और उस व्यवस्था के खिलाफ खड़े होकर उन्होंने पहले ही जीत हासिल कर ली है जिसने उनके मुताबिक उन्हें कुश्ती से दूर रखने की हर मुमकिन कोशिश की थी।

हारने के कुछ ही मिनटों बाद विनेश ने कुश्ती प्रशासन पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने भेदभाव, मानसिक उत्पीड़न और उनके पक्ष में अदालत के आदेशों के बावजूद उन्हें कुश्ती में लौटने से रोकने की कोशिशों का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ''वे मुझे मैट पर लौटने से रोकना चाहते थे, लेकिन मैं फिर से यहां खड़ी हूं। इन 10 महीनों में मैंने जो कुछ भी हासिल किया है, उस पर मुझे गर्व है। '' विनेश ने यह बात भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के साथ अपनी लंबे समय से चल रही लड़ाई के संदर्भ में कही। उन्होंने कहा, ''मुझे पता है कि यह व्यवस्था मेरे लिए मुश्किलें खड़ी करती रहेगी लेकिन मुझे उम्मीद है कि कड़ी मेहनत से मैं व्यवस्था को पीछे छोड़कर आगे बढ़ सकती हूं। '' और उन्होंने सेमीफाइनल में मिली हार को कोई झटका मानने से इनकार कर दिया। विनेश 2024 पेरिस ओलंपिक के फाइनल से दिल तोड़ने वाले तरीके से बाहर होने के बाद पहली बार मुकाबले में हिस्सा ले रही थीं। उन्होंने कहा कि उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि मां बनने के बाद फिर से बड़े मुकाबलों में वापसी करना है। उन्होंने कहा कि मां बनने के बाद और महीनों तक कानूनी और प्रशासनिक लड़ाइयां लड़ने के बाद मुकाबले में वापसी करना उन्हें एक जीत जैसा लगा।

बंगाल: चुनाव बाद हिंसा के पीड़ितों के परिवारों से मिलने पहुंचे अभिषेक बनर्जी पर अंडे और जूते फेंके

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के सोनारपुर इलाके में चुनाव बाद हिंसा के पीड़ितों के परिवारों से मिलने पहुंचे तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी के साथ शनिवार को कथित तौर पर स्थानीय लोगों ने दुर्व्यवहार किया और उन पर अंडे, जूते तथा पत्थर फेंके गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद पर अज्ञात लोगों ने पत्थर, जूते और अंडे फेंके तथा उनको लात-घूंसे मारने की कोशिश भी की। इस दौरान उन्होंने ''चोर-चोर'' के नारे भी लगाए। टेलीविजन पर प्रसारित वीडियो में बनर्जी को पुलिस की सुरक्षा में इलाके से बाहर ले जाते हुए देखा गया। इस दौरान उन्होंने सुरक्षा के लिए हेलमेट पहना हुआ था और उनकी कमीज फटी हुई थी।

चुनाव बाद हुई हिंसा में जान गंवाने वाले एक व्यक्ति के परिवार से मुलाकात के दौरान बनर्जी ने कहा, ''देखिए इन्होंने मेरे साथ क्या किया है। यह पूर्व नियोजित था। इलाके में पुलिस नहीं है। ये मुझे मारना चाहते हैं। जब तक स्थानीय पुलिस अपनी टीम नहीं भेजती और पीड़ितों के परिवारों को सुरक्षा प्रदान नहीं करती, मैं यहां से नहीं जाऊंगा।''

स्थानीय महिलाएं झाड़ू और बांस के डंडे लेकर उस टीएमसी कार्यकर्ता के घर के बाहर एकत्र हो गईं, जहां बनर्जी पहुंचे थे। बनर्जी के आने का मकसद पूछते हुए उन्होंने उनके खिलाफ नारे लगाए। प्रदर्शनकारी महिलाओं में से एक ने कहा, ''वह यहां क्यों आए हैं? जिसके घर वह आए हैं, वह भी चोर है। यह तो चोर का चोर से मिलने जैसा है।'' वहीं, एक अन्य प्रदर्शनकारी महिला ने सवाल किया, ''अभया कांड के समय वह (अभिषेक) कहां थे? वह निर्भया के माता-पिता से कितनी बार मिले थे? हमें उनसे जवाब चाहिए।'' इस बीच, भाजपा की पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने कहा कि यह घटना वर्षों से ''उत्पीड़न'' झेल रहे स्थानीय लोगों के गुस्से का नतीजा हो सकती है।

भट्टाचार्य ने पत्रकारों से कहा, ''भाजपा ऐसी गतिविधियों में शामिल नहीं है। लोकतंत्र में ऐसी घटना की उम्मीद नहीं की जा सकती।'' उन्होंने कहा, ''मैं यह नहीं बता सकता कि पुलिस वहां क्यों नहीं थी, यह प्रशासन का मामला है। मैं पार्टी से हूं। टीएमसी ने इन वर्षों में हमारे पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ जो किया है, उसका वर्णन नहीं किया जा सकता। हमें आज भी याद है कि उन्होंने रूपा गांगुली के साथ, दक्षिण 24 परगना जिले में हमारे नेताओं के साथ क्या किया था।'' इस बीच, पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि केंद्रीय बलों की एक बड़ी टीम सोनारपुर थाने के कर्मियों के साथ, स्थिति को नियंत्रण में करने और बनर्जी को बाहर निकालने के लिए मौके पर पहुंची।

सोनारपुर में अभिषेक बनर्जी पर हुआ हमला निंदनीय, शासक हत्यारे बन गए हैं : ममता बनर्जी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख और पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को सोनारपुर में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी पर हुए हमले की कड़ी निंदा करते हुए आरोप लगाया कि इस घटना के पीछे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का हाथ है। पुलिस के मुताबिक, अभिषेक बनर्जी चुनाव के बाद हुई हिंसा के पीड़ितों के परिवारों से मिलने दक्षिण 24 परगना के सोनारपुर इलाके में गए थे, जहां स्थानीय लोगों ने उनके साथ मारपीट की। अज्ञात लोगों ने सांसद पर पत्थर, जूते व अंडे फेंके और उन्हें लात-घूंसे मारने की कोशिश भी की। लोग अभिषेक को देखकर 'चोर-चोर' के नारे लगा रहे थे। ममता बनर्जी ने इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए 'एक्स' पर कहा, शासक हत्यारे बन गए हैं, भाजपा को शर्म आनी चाहिए। कथित हमले का वीडियो सामने आने के तुरंत बाद पूर्व मुख्यमंत्री की यह टिप्पणी आई। वीडियो में प्रदर्शनकारी तृणमूल महासचिव को निशाना बनाते दिख रहे हैं। तृणमूल नेताओं ने आरोप लगाया कि यह घटना राजनीतिक रूप से प्रेरित थी। उन्होंने भाजपा पर अभिषेक बनर्जी की यात्रा को बाधित करने के लिए इस हमले की साजिश रचने का आरोप लगाया।

राबड़ी देवी ने अपना बंगला अन्य मंत्री को आवंटित किए जाने पर कहा, 'मुझे बलपूर्वक हटाना होगा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने शनिवार को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को उस बंगले को ''बलपूर्वक'' खाली कराने की चुनौती दी जिसमें वह एक दशक से अधिक समय से रह रही हैं। राबड़ी देवी ने दो-टूक अंदाज में कहा कि वह अपना बंगला खाली नहीं करेंगी। वर्ष 1997 से 2005 तक आठ साल मुख्यमंत्री रहीं राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की नेता राबड़ी देवी उस समय बिफर पड़ीं जब कुछ पत्रकारों ने उनसे भवन निर्माण विभाग के उस आदेश के बारे में पूछा, जिसमें पटना के सर्कुलर रोड स्थित बंगला नंबर 10 का आवंटन डेयरी एवं मत्स्य पालन मंत्री नंद किशोर राम को किया गया है।

राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव की पत्नी राबड़ी देवी ने नाराजगी जताते हुए कहा, ''हां, मैं देख सकती हूं कि हाल ही में मुख्यमंत्री बने सम्राट चौधरी काफी उत्साहित हैं। वह मुझे जबरन हटा दें। मैं यह बंगला खाली नहीं करने वाली।'' दिल्ली से लौटीं राबड़ी देवी से इस घटनाक्रम के बारे में पटना हवाई अड्डे पर सवाल किया गया। दिल्ली में उन्होंने अपने पोते का जन्मदिन मनाया और बताया जा रहा है कि उनके पति वहीं से इलाज के लिए सिंगापुर रवाना हुए हैं। पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी बार-बार याद दिलाती रही हैं कि चौधरी ने अपने करियर की शुरुआत उन्हीं के मंत्रिमंडल में मंत्री के रूप में की थी। राबड़ी देवी ने अपनी कार के अंदर से मीडियाकर्मियों से बात की और इस दौरान नाराज होकर उनके माइक एक तरफ हटा दिए। परिवार को लोक भवन और मुख्यमंत्री आवास से कुछ ही दूरी पर स्थित 10, सर्कुलर रोड बंगला राज्य की पूर्ववर्ती नीतीश कुमार सरकार द्वारा आवंटित किया गया था।

कुछ महीने पहले, चौधरी के मुख्यमंत्री बनने से पूर्व भवन निर्माण विभाग द्वारा एक आदेश जारी किया गया था कि यह बंगला अब से केवल किसी उपमुख्यमंत्री को ही आवंटित किया जाएगा। बिहार में चौधरी के रूप में पहली बार भाजपा का कोई नेता मुख्यमंत्री बना है। राज्य विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष होने के नाते राबड़ी देवी को हार्डिंग रोड स्थित एक अन्य आवास में स्थानांतरित होने के लिए कहा गया था। हालांकि, वह सर्कुलर रोड स्थित 10 नंबर के बंगले में अपने पति के साथ रहती रहीं।

आक्रामक आरसीबी का लक्ष्य लगातार दूसरी ट्रॉफी, फाइनल में मजबूत गुजरात टाइटंस से होगी टक्कर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) की टीम इंडियन प्रीमियर लीग में लगातार दूसरी बार खिताब जीतने के सपने को पूरा करने के लिए रविवार को मैदान में उतरेगी तो उसके सामने गुजरात टाइटंस की कड़ी चुनौती होगी, जिससे इस मुकाबले में दो अलग-अलग खेल शैलियों की टक्कर देखने को मिलेगी।

आरसीबी ने अपने आक्रामक और बेखौफ अंदाज से टूर्नामेंट में दबदबा कायम किया है, तो वहीं टाइटंस ने धैर्य और संयमित खेल से प्रभावित करते हुए पांच वर्षों में तीसरी बार फाइनल का टिकट पक्का किया है। कागजों पर मौजूदा चैंपियन आरसीबी को 2022 की विजेता टाइटंस के खिलाफ मजबूत दावेदार माना जा रहा है, क्योंकि इस पूरे टूर्नामेंट में उनका बेखौफ और जोखिम भरा खेल बेहद प्रभावशाली रहा है। यह आक्रामक रणनीति कभी-कभी टीम को मुश्किल में भी डालती रही है, लेकिन विराट कोहली, देवदत्त पडिक्कल, टिम डेविड, कप्तान रजत पाटीदार, उपलब्ध रहने पर फिल साल्ट और वेंकटेश अय्यर ने लगातार आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की है।

पहले क्वालीफायर में आरसीबी ने इसी बेखौफ अंदाज से टाइटंस को शिकस्त दी थी। पिच की स्थिति या विरोधी गेंदबाजी रणनीति का भी उनके इस आक्रामक रवैये पर बहुत कम असर पड़ा है, और इस सत्र में कोई अन्य टीम उतनी बार 200 से अधिक रन नहीं बना सकी है जितनी बार आरसीबी ने बनाए हैं। कप्तान रजत पाटीदार की शांत और संतुलित नेतृत्व शैली ने भी पिछले दो सत्रों में टीम को स्थिरता दी है। वह पूर्व कप्तानों विराट कोहली या फाफ डु प्लेसिस जितने भावनात्मक रूप से मुखर नहीं हैं, लेकिन उनके फैसलों में आत्मविश्वास झलकता है, जिससे टीम के अनुभवी और युवा खिलाड़ी दोनों सहज महसूस करते हैं।

आरसीबी की गेंदबाजी इकाई भी इस बार किफायती और प्रभावी रही है, जिसने पावरप्ले में ही विरोधी बल्लेबाजों पर दबाव बनाया है। भुवनेश्वर कुमार की अगुवाई वाली इस गेंदबाजी को गुजरात टाइटंस के शानदार लय में चल रहे शीर्ष क्रम के खिलाफ अपने सर्वोच्च स्तर पर प्रदर्शन करना होगा। दूसरी ओर, इस टूर्नामेंट में जहां अधिकांश टीमें पावरप्ले में 11-12 रन प्रति ओवर की रफ्तार से खेल रही हैं, वहीं गुजरात टाइटंस के सलामी बल्लेबाज कप्तान शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने अपेक्षाकृत संयमित रफ्तार अपनाई है, जो नौ रन प्रति ओवर से थोड़ा अधिक रही है। यह पारंपरिक रणनीति इसलिए भी है क्योंकि गुजरात का मध्यक्रम अपेक्षाकृत कमजोर है और टीम की बल्लेबाजी का अधिकांश भार शीर्ष तीन बल्लेबाजों (गिल, सुदर्शन और जोस बटलर) पर ही रहता है। इसके बावजूद इन तीनों ने प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। गिल ने 722 रन (स्ट्राइक रेट 163), सुदर्शन ने 710 रन (स्ट्राइक रेट 159) और बटलर ने 507 रन (स्ट्राइक रेट 157) बनाए हैं। अब उन्हें एक बार फिर उसी अहम मुकाबले में जिम्मेदारी निभानी होगी। इस सत्र में गुजरात का घरेलू रिकॉर्ड (सात में से पांच जीत) टीम को थोड़ा आत्मविश्वास जरूर देता है।

टीमें

आरसीबी: रजत पाटीदार (कप्तान), विराट कोहली, टिम डेविड, जैकब बेथेल, रोमारियो शेफर्ड, जोश हेज़लवुड, नुवान तुषारा, देवदत्त पडिक्कल, जितेश शर्मा, कृणाल पंड्या, रसिख डार, भुवनेश्वर कुमार, जॉर्डन कॉक्स, सुयश शर्मा, वेंकटेश अय्यर, स्वप्निल सिंह, जैकब डफी, कनिष्क चौहान, अभिनंदन सिंह, मंगेश यादव, फिल साल्ट, सात्विक देसवाल, विकी ओस्टवाल, विहान मल्होत्रा।

गुजरात टाइटंस: साई सुदर्शन, शुभमन गिल (कप्तान), शाहरुख खान, अनुज रावत, जोस बटलर, कुमार कुशाग्र, टॉम बैंटन, ग्लेन फिलिप्स, जेसन होल्डर, निशांत सिंधू, राहुल तेवतिया, वॉशिंगटन सुंदर, साई किशोर, जयंत यादव, अरशद खान, शाहरुख खान, मानव सुथार, राशिद खान, मोहम्मद सिराज, कगिसो रबाडा, प्रसिद्ध कृष्णा, इशांत शर्मा, गुरनूर बराड़, अशोक शर्मा, ल्यूक वुड, पृथ्वी राज यारा।

मैच शाम 07:30 बजे से खेला जायेगा।

सुविचार

मैदान में हारा हुआ इंसान फिर से जीत सकता है, लेकिन मन से हारा हुआ इंसान कभी नहीं जीत सकता।

ट्वीट

मुझे आप सभी को यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि राज्य में एक मजबूत रोड नेटवर्क के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए, पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट ने 33 से ज़्यादा ज़िलों में 676.74 करोड़ की लागत से 77 रोड कंस्ट्रक्शन और अपग्रेडेशन प्रोजेक्ट्स को मंज़ूरी दी है।

-दिया कुमारी

आज दिल्ली से जोधपुर पहुंचा और यहां अलग-अलग शोक सभाओं में शामिल हुआ। जिन पारिवारिक मित्रों और परिचितों के घर दुःखद घटना हुई, उनके घर जाकर परिजनों से मिला, उनका दुःख साझा किया और अपनी शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं।

-गजेन्द्रसिंह शेखावत

कहानी

अंतिम चित्र

बसंत त्रिपाठी

ठीक आधी रात को सेल नं. 3 से गों-गों की और लोहे के जँगले को पीटने की आवाज से प्रहरी की नींद टूट गई। यदि जेलर साहब का विशेष हुकुम न होता तो वह कान में रुई ठूँस कर सो गया होता। लेकिन उसे मजबूरन उठना पड़ा। नींद में लड़खड़ाता-लहराता हुआ वह सेल नं. 3 के सामने खड़ा हो गया।

सेल के बाहर बिजली का बल्ब जल रहा था। उसकी बीमार, पीली और टूटी-टूटी-सी रोशनी सेल के भीतर फैल गई थी। लोहे के जँगले की परछाई सेल की दीवारों पर छपी हुई थी जिसके कारण सेल के भीतर एक और कैदखाने का-सा आभास होता था।

'क्या है?' झुँझलाते हुए तीखी आवाज में प्रहरी ने पूछा।

सेल नं. 3 के भीतर बंद कैदी नं. 371 ने इशारे से चॉक माँगा। एक तो नींद का नशा और दूसरा गूँगे से सामना! लानत है ऐसी स्पेशल ड्यूटी पर! प्रहरी ने एक भद्दी-सी गाली दी और लौट गया। थोड़ी देर बाद उसने सेल के भीतर चॉक के कुछ टुकड़े फेंके और फिर उसी पत्थर की बेंच पर लेट गया।

कैदी नं. 371 ने चॉक के टुकड़े इस भाव से उठाए मानो संजीवनी बूटी हाथ लग गई हो! चॉक को हाथ में लिए हुए वह थोड़ी देर तक सामने की दीवार को देखता रहा। उसे उबड़-खाबड़ दीवार, दीवार नहीं बल्कि एक चुनौती लग रही थी। उसकी लाल-लाल आँखों में स्वप्न का एक भीगा हुआ टुकड़ा तैरने लगा।

रात, गाँव के बार से गुजरी एक्सप्रेस ट्रेन की तरह, धड़धड़ाती हुई गुजर रही थी। लेकिन कैदी, ट्रेन के भीतर इत्मीनान से बैठे यात्री की तरह तल्लीन था। वह कोई पाँच-छह घंटे तक दीवार में खोया रहा। बिल्कुल कुशल तैराक की तरह, जो नीले जल में उन्मुक्त तैर रहा हो!

सुबह का एहसास सेंट्रल जेल के भीतर जाग रहा था। रात में सेल नं. 3 की जो दीवार मटमैली और उबड़-खाबड़ थी, वह सुबह तक एक चित्र में बदल गई थी। चित्र में एक समुंदर था। उसके ऊपर से एक चिड़िया एक ही पंख से उड़ी जा रही थी। समुंदर के किनारे हजारों लोगों का हुजूम खड़ा जान पड़ता था और सबसे पीछे एक चेहरा थोड़ा स्पष्ट था जो निश्चित ही किसी लड़की का था।

सुबह के थोड़ा पहले प्रहरी की नींद की खुमारी टूट गई। वह चुपचाप सेल नं. 3 के सामने खड़ा हो गया। कैदी को चित्र बनाते देखना उसके लिए अजीब किस्म का अनुभव था।

कैदी की मौत के बाद एक गहरा सन्नाटा उस जेल में तैरने लगा। मौत के जलसे में शामिल सभी लोग एक दूसरे से बिना कुछ कहे थके-माँदे लौट रहे थे। जेलर जेल के लंबे गलियारे से होता हुआ गुजर रहा था। वह चाहता तो नहीं था लेकिन खुद को सेल नं. 3 के आगे खड़ा पाया। जेलर देर तक दीवार में बने चित्र को निहारता रहा। दिवंगत खूनी चित्रकार का यह अंतिम चित्र था। जेलर ने प्रहरी को बुलाकर कहा - 'आज इस सेल में सफेदी करवा देना।' 'साहेब, कहें तो सामने वाली दीवार को ऐसे ही रहने दें, बेचारे का यह अंतिम चित्र है।'

बढ़े, काले छितरे बाल, ऊँचा बलिष्ठ शरीर और बड़ा-सा सिर, पूरा डील-डौल ही भयंकर था। लेकिन उसकी हथेली में चॉक का टुकड़ा ऐसे लग रहा था जैसे कोई हत्यारा अपने मासूम बच्चे को प्यार कर रहा हो। प्रहरी के लिए पूरा दृश्य किसी जीवित चित्र से कम न था! कैदी ने जब अपना चित्र पूरा कर लिया तो प्रहरी ने कहा - 'नहा लो भाई, आज तुम्हें जाना है।'

कैदी मुस्कुराया। उसकी लाल-लाल आँखों में चॉक के लिए धन्यवाद के भाव झलक रहे थे।

थोड़ी देर बाद मजिस्ट्रेट, जेलर और डॉक्टर भी आ गए और कैदी नं. 371 फाँसी पर लटका दिया गया।

कैदी की मौत के बाद एक गहरा सन्नाटा उस जेल में तैरने लगा। मौत के जलसे में शामिल सभी लोग एक दूसरे से बिना कुछ कहे थके-माँदे लौट रहे थे। जेलर जेल के लंबे गलियारे से होता हुआ गुजर रहा था। वह चाहता तो नहीं था लेकिन खुद को सेल नं. 3 के आगे खड़ा पाया। जेलर देर तक दीवार में बने चित्र को निहारता रहा। दिवंगत खूनी चित्रकार का यह अंतिम चित्र था। जेलर ने प्रहरी को बुलाकर कहा - 'आज इस सेल में सफेदी करवा देना।' 'साहेब, कहें तो सामने वाली दीवार को ऐसे ही रहने दें, बेचारे का यह अंतिम चित्र है।' प्रहरी ने कहा। जेलर प्रहरी को देखता रहा, फिर वह आगे बढ़ा और उसने चित्र में से चिड़िया को पोंछकर हटा दिया।

प्रहरी कुछ देर जेलर साहब को जाते हुए देखता रहा फिर उसने गर्दन फेरकर चित्र की तरफ देखा। जहाँ कुछ देर पहले चिड़िया थी वहाँ एक भद्दी घसीट से बना धब्बा दिखाई दे रहा था और भीड़ में खोई वह लड़की, जो कुछ देर पहले उस चिड़िया की परवाज को उत्सुक आँखों से देख रही थी, अब बहुत भयभीत दिखाई दी। कुछ देर बाद उसकी आँखों में नमीं उभर आई। देखते ही देखते उसकी पलकों पर पनीली चमक दिखाई दी फिर दो बूँदे उसकी आँखों से बाहर आई और प्रहरी की विस्फारित आँखों ने उन सजीव आँसुओं को सचमुच दीवार पर लुढ़कते हुए देखा।

- 'हिन्दी समय' से साभार

संजय उवाच

संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

क्रोध

चैनल पर समाचार देख रहा हूँ। दुकानदार द्वारा दस रुपये मांगने पर क्रोधित युवक ने उसे पीट-पीट कर मार डाला। समाचार सुनकर हतप्रभ हूँ, अवाक हूँ। कुछ लोग विचार कर सकते हैं कि केवल दस रुपए के लिए कोई इतनी हिंसा कैसे कर सकता है? मेरे सामने प्रश्न दस रुपये या दस लाख या दस करोड़ का नहीं, मनुष्य के क्रोध के पारावार का है। जो मारा गया वह मनुष्य था, जिसने मारा, वह मनुष्य है। सत्यस्थिति तो पुलिस की विवेचना से सामने आएगी तथापि प्रथम दृष्टया यह षड्यंत्रपूर्वक की गई हत्या नहीं लगती। इसके मूल में क्रोध के चलते अपना आपा खो देना दिखता है।

क्रोध मनुष्य की प्राकृतिक भावना है। मनुष्य के भावनात्मक विरेचन के लिए भी क्रोध अनिवार्य है। तथापि 'अति सर्वत्र वर्जयेत' का सूत्र अवश्य स्मरण रखा जाना चाहिए। क्रोध का अतिरेक सामान्य विवाद को हिंसक दुर्घटना में बदल सकता है।

प्रश्न है कि क्रोध क्यों उपजता है? मनोविज्ञान कहता है कि सामान्यत: अपेक्षा-भंग, असंतोष, असहिष्णुता, असफलता, असुरक्षा, असहायता के चलते क्रोध उपजता है। योगेश्वर, श्रीमद्भागवत गीता के दूसरे अध्याय के बासठवें श्लोक में क्रोध के संबंध में कहते हैं,

ध्यायतो विषयान्पुंसः सङ्गस्तेषूपजायते।
सङ्गात्सञ्जायते कामः कामात्क्रोधोऽभिजायते।।

अर्थात विषयों का चिंतन करने वाले पुरुष की उन विषयों में आसक्ति हो जाती है। आसक्ति से विषयों की कामना उत्पन्न होती है और कामना में विघ्न पड़ने से क्रोध उत्पन्न होता है।

योगेश्वर उवाच अगले श्लोक में इसी विषय को विस्तार देता है-

क्रोधाद्भवति सम्मोहः सम्मोहात्स्मृतिविभ्रमः।
स्मृतिभ्रंशाद्बुद्धिनाशो बुद्धिनाशात्प्रणश्यति।।

अर्थात क्रोध से अत्यंत मूढ़ भाव उत्पन्न होता है। मूढ़ भाव से स्मृति में भ्रम हो जाता है। स्मृति में भ्रम हो जाने से बुद्धि अर्थात ज्ञानशक्ति का नाश हो जाता है और ज्ञानशक्ति का नाश हो जाने से मनुष्य अपनी स्थिति से, अपनी मनुष्यता से गिर जाता है।

क्रोध के चलते मनुष्यता से गिरा मनुष्य, कैसे अपने विनाश को स्वयं आमंत्रित करता है, इसका उल्लेख अपनी एक लघुकथा 'क्रोध में किया था। लघुकथा इस प्रकार है-

...दोनों में बहस होने लगी थी। विवाद की तीक्ष्णता बढ़ती गई। आक्रोश में दोनों थे पर पहला मनुष्य था, दूसरा क्रोधी था। क्रोध, तर्क का पथ तज देता है, मर्म को चोट पहुँचाने की राह चलता है। इस राह के एक विनाशकारी मोड़ पर तिलमिलाहट टकराती है।

तिलमिलाहट में क्रोधी ने एक बड़ा पत्थर मनुष्य के सिर पर दे मारा। मनुष्य की मौत हो गई। क्रोधी को फाँसी चढ़ना पड़ा। यश, संपदा, नेह, संबंध, अंततः समूचे अस्तित्व की बलि ले लेता है क्रोध।

आज के मनुष्य का अनुभव बताता है कि बदलती जीवन शैली में अब अहंकार से भी क्रोध उपजने लगा है। सुपीरियरिटी कॉम्प्लेक्स या श्रेष्ठता बोध, अहंकार के मूल में होते हैं। इस लघुकथा को लेख के आरंभ में उल्लेखित घटना से जोड़ें। जिसकी हत्या हुई, उसका जीवन असमय नष्ट हो गया। जिसने हत्या की, उसका जीवन भी नष्ट होने की स्थिति में आ गया है।

लोकोक्ति है कि क्रोध वह अग्निकुंड है जो आपके हाथों स्वयं आपकी आहुति करवा देता है। अपनी आहुति या अपने क्रोध पर नियंत्रण? निर्णय हरेक को अपने स्तर पर लेना है।

लोक कथा

कमजोर

अंतोन चेखव

आज मैं अपने बच्चों की अध्यापिका यूलिमा वार्सीयेव्जा का हिसाब चुकता करना चाहता था।''बैठ जाओ, यूलिमा वार्सीयेव्जा।'' मेंने उससे कहा, ''तुम्हारा हिसाब चुकता कर दिया जाए। हाँ, तो फैसला हुआ था कि तुम्हें महीने के तीस रूबल मिलेंगे, हैं न?''''नहीं,चालीस।''''नहीं तीस। तुम हमारे यहाँ दो महीने रही हो।''''दो महीने पाँच दिन।'' ''पूरे दो महीने। इन दो महीनों के नौ इतवार निकाल दो। इतवार के दिन तुम कोल्या को सिर्फ सैर के लिए ही लेकर जाती थीं और फिर तीन छुट्टियाँ... नौ और तीन बारह, तो बारह रूबल कम हुए। कोल्या चार दिन बीमार रहा, उन दिनों तुमने उसे नहीं पढ़ाया। सिर्फ वान्या को ही पढ़ाया और फिर तीन दिन तुम्हारे दाँत में दर्द रहा। उस समय मेरी पत्नी ने तुम्हें छुट्टी दे दी थी। बारह और सात, हुए उन्नीस। इन्हें निकाला जाए, तो बाकी रहे... हाँ इकतालीस रूबल, ठीक है?''

यूलिया की आँखों में आँसू भर आए।

कप-प्लेट तोड़ डाले। दो रूबल इनके घटाओ। तुम्हारी लापरवाही से कोल्या ने पेड़ पर चढ़कर अपना कोट फाड़ डाला था। दस रूबल उसके और फिर तुम्हारी लापरवाही के कारण ही नौकरानी वान्या के बूट लेकर भाग गई। पाँच रूबल उसके कम हुए... दस जनवरी को दस रूबल तुमने उधार लिए थे। इकतालीस में से सताईस निकालो। बाकी रह गए चौदह।'' यूलिया की आँखों में आँसू उमड़ आए, ''मैंने सिर्फ एक बार आपकी पत्नी से तीन रूबल लिए थे....।'' ''अच्छा, यह तो मैंने लिखा ही नहीं, तो चौदह में से तीन निकालो। अबे बचे ग्यारह। सो, यह रही तुम्हारी तनख्वाह। तीन,तीन... एक और एक।'' ''धन्यवाद!'' उसने बहुत ही हौले से कहा।''तुमने धन्यवाद क्यों कहा?''''पैसों के लिए।''''लानत है! क्या तुम देखती नहीं कि मैंने तुम्हें धोखा दिया है? मैंने तुम्हारे पैसे मार लिए हैं और तुम इस पर धन्यवाद कहती हो। अरे, मैं तो तुम्हें परख रहा था... मैं तुम्हें अस्सी रूबल ही दूँगा। यह रही पूरी रकम।''वह धन्यवाद कहकर चली गई। मैं उसे देखता हुआ सोचने लगा कि दुनिया में ताकतवर बनना कितना आसान है।

- 'हिन्दी समय' से साभार

परियाँ और दीवाली

आसमान के एक रंग-बिरंगे कोने में परियों का एक अद्भुत देश है । वहाँ हर जगह फूलों की खुशबू तैरती रहती है, बादल रुई के फाहों जैसे मुलायम लगते हैं और तारे रात में चाँदी की बूँदों की तरह चमकते हैं । यह जगह जादुई हैक्योंकि वहाँ सुन्दर परियाँ अपने पंख फैलाकर खेलती, गुनगुनाती और प्रकृति की रक्षा करती हैं ।

इसी जादुई देश में रहती थी एक छोटी सुनहरी परी। उसकी आँखें ओस की बूँदों जैसी चमकदार थीं और उसके पंख इंद्रधनुष के सातों रंगों से चमकते थे। सब उसे सुनहरी कहकर पुकारते थे। एक दिन सुनहरी परी ने देखा कि धरती पर बहुत हलचल है। हर ओर लोग घर साफ़ कर रहे थे, रंग-बिरंगी लाइटें सजा रहे थे, मिठाइयाँ बना रहे थे और बच्चों के हाथों में चमचमाते दीपक थे। आसमान से यह नज़ारा किसी बड़े पर्व जैसा लग रहा था। सुनहरी परी ने अपनी माँ, गुलाबी परी, से पूछा माँ! धरती पर लोग इतने दीपक क्यों जला रहे हैं? वे इतना उल्लास क्यों मना रहे हैं? क्या आज कोई खास दिन है? गुलाबी परी, जो पूरे परी देश की सबसे बुद्धिमान परी मानी जाती थी, मुस्कुराई और बोली हाँ बेटी, आज दीवाली है। यह एक महान त्योहार है, जिसे भगवान राम के अयोध्या लौटने की खुशी में मनाया जाता है। सुनहरी परी की जिज्ञासा और बढ़ गई। वह अपनी छोटी-सी छड़ी घुमाते हुए बोली भगवान राम? अयोध्या? माँ, यह सब कौन हैं? और उनकी वापसी पर इतना बड़ा उत्सव क्यों? गुलाबी परी ने धीरे-धीरे कहानी सुनानी शुरू की

बहुत समय पहले धरती पर अयोध्या नाम का एक राज्य था। वहाँ राम नाम के एक महान और धर्मप्रिय राजकुमार रहते थे। वे मर्यादा, साहस और करुणा के प्रतीक थे। राम ने अपनी पत्नी सीता और भाई लक्ष्मण के साथ अपने पिता दशरथ के वचन को निभाने के लिए चौदह साल का वनवास स्वीकार किया।

वन में रहते हुए, राक्षसराज रावण ने माता सीता का हरण कर लिया और उन्हें लंका ले गया। तब भगवान राम ने वानरों, भालुओं, पक्षियों और प्रकृति की सहायता से रावण का सामना किया। हनुमान जी ने पर्वत लाँघे, जामवंत ने बल दिया, नदियों ने मार्ग बनाया, समुद्र ने रास्ता दिया, और यहाँ तक कि पेड़-पौधों और वन्य पशु पक्षियों ने भी पुल बनाने में सहयोग किया।

कहते हैं कि गिलहरी की पीठ पर पंजे का निशान उसी सहायता का प्रतीक है, जब गिलहरी सेतु बनाने में अपना सहयोग दे रही थी तो राम जी ने उसको स्नेह और करुणा से सहलाया तो उसकी पीठ पर यह निशान पड़ गया। आख़िरकार राम ने रावण का वध किया और सीता माता को वापस लाए। जब वे चौदह साल बाद अयोध्या पहुँचे तो वहाँ के लोगों ने दीप जलाकर उनका भव्य स्वागत किया। पूरी अयोध्या दीपों से जगमगा उठी, मानो धरती पर तारों का सागर उतर आया हो। वही दिन थादीवाली का।

बोध कथा

संगीतमय गधा

एक धोबी का गधा था। गधे का नाम था--उद्धत। वह दिन भर कपडों के गट्ठर इधर से उधर ढोने में लगा रहता। धोबी स्वयं कंजूस और निर्दयी था। अपने गधे के लिए चारे का प्रबंध नहीं करता था। बस रात को चरने के लिए खुला छोड देता। निकट में कोई चरागाह भी नहीं थी। शरीर से गधा बहुत दुर्बल हो गया था। एक रात उस गधे की मुलाकात एक गीदड़ से हुई। गीदड़ ने उससे पूछा 'कहिए महाशय, आप इतने कमज़ोर क्यों हैं?' गधे ने दुखी स्वर में बताया कि कैसे उसे दिन भर काम करना पडता है। खाने को कुछ नहीं दिया जाता। रात को अंधेरे में इधर-उधर मुंह मारना पडता है।

गीदड़ बोला 'तो समझो अब आपकी भुखमरी के दिन गए। यहां पास में ही एक बडा सब्जियों का बाग़ है। वहां तरह-तरह की सब्जियां उगी हुई हैं। खीरे, ककडियां, तोरई, गाजर, मूली, शलजम और बैंगनों की बहार है। मैंने बाग़ तोडकर एक जगह अंदर घुसने का गुप्त मार्ग बना रखा है। बस वहां से हर रात अंदर घुसकर छककर खाता हूं और सेहत बना रहा हूं। तुम भी मेरे साथ आया करो।' लार टपकाता गधा गीदड़ के साथ हो गया। बाग़ में घुसकर गधे ने महीनों के बाद पहली बार भरपेट खाना खाया। दोनों रात भर बाग़ में ही रहे और पौ फटने से पहले गीदड़ जंगल की ओर चला गया और गधा अपने धोबी के पास आ गया।

उसके बाद वे रोज रात को एक जगह मिलते। बाग़ में घुसते और जी भरकर खाते। धीरे-धीरे गधे का शरीर भरने लगा। उसके बालों में चमक आने लगी और चाल में मस्ती आ गई। वह भुखमरी के दिन बिल्कुल भूल गया। एक रात खूब खाने के बाद गधे की तबीयत अच्छी तरह हरी हो गई। वह झूमने लगा और अपना मुंह ऊपर उठाकर कान फडफडाने लगा। गीदड़ ने चिंतित होकर पूछा 'मित्र, यह क्या कर रहे हो? तुम्हारी तबीयत तो ठीक हैं?' गधा आंखें बंद करके मस्त स्वर में बोला 'मेरा दिल गाने का कर रहा हैं। अच्छा भोजन करने के बाद गाना चाहिए। सोच रहा हूं कि ढैंचू राग गाऊं।' गीदड़ ने तुरंत चेतावनी दी 'न-न, ऐसा न करना गधे भाई। गाने-वाने का चक्कर मत चलाओ। यह मत भूलो कि हम दोनों यहां चोरी कर रहे हैं। मुसीबत को न्यौता मत दो।' गधे ने टेढी नजर से गीदड़ को देखा और बोला 'गीदड़ भाई, तुम जंगली के जंगली रहे। संगीत के बारे में तुम क्या जानो?' गीदड़ ने हाथ जोडे 'मैं संगीत के बारे में कुछ नहीं जानता। केवल अपनी जान बचाना जानता हूं। तुम अपना बेसुरा राग अलापने की ज़िद छोडो, उसी में हम दोनों की भलाई है।' गधे ने गीदड़ की बात का बुरा मानकर हवा में दुलत्ती चलाई और शिकायत करने लगा 'तुमने मेरे राग को बेसुरा कहकर मेरी बेइज़्ज़ती की है। हम गधे शुद्ध शास्त्रीय लय में रेंकते हैं। वह मूर्खों की समझ में नहीं आ सकता।' गीदड़ बोला 'गधे भाई, मैं मूर्ख जंगली सही, पर एक मित्र के नाते मेरी सलाह मानो। अपना मुंह मत खोलो। बाग़ के चौकीदार जाग जाएंगे।' गधा हंसा 'अरे मूर्ख गीदड़! मेरा राग सुनकर बाग़ के चौकीदार तो क्या, बाग़ का मालिक भी फूलों का हार लेकर आएगा और मेरे गले में डालेगा।' गीदड़ ने चतुराई से काम लिया और हाथ जोडकर बोला 'गधे भाई, मुझे अपनी ग़लती का अहसास हो गया हैं। तुम महान गायक हो। मैं मूर्ख गीदड़ भी तुम्हारे गले में डालने के लिए फूलों की माला लाना चाहता हूं। मेरे जाने के दस मिनट बाद ही तुम गाना शुरू करना ताकि मैं गायन समाप्त होने तक फूल मालाएं लेकर लौट सकूं।' गधे ने गर्व से सहमति में सिर हिलाया। गीदड़ वहां से सीधा जंगल की ओर भाग गया। गधे ने उसके जाने के कुछ समय बाद मस्त होकर रेंकना शुरू किया। उसके रेंकने की आवाज़ सुनते ही बाग़ के चौकीदार जाग गए और उसी ओर लट्ठ लेकर दौडे, जिधर से रेंकने की आवाज़ आ रही थी। वहां पहुंचते ही गधे को देखकर चौकीदार बोला यही है वह दुष्ट गधा, जो हमारा बाग़ चर रहा था।' बस सारे चौकीदार डंडों के साथ गधे पर पिल पडे। कुछ ही देर में गधा पिट-पिटकर अधमरा गिर पडा।

वीर गाथा

नायक मनोज सिंह : साथियों पर मंडराया खतरा तो ग्रेनेड से किया आतंकवादी का खात्मा

नायक मनोज सिंह का जन्म 10 मई, 1982 को उत्तराखंड के उधम सिंह नगर जिले के नगरा तराई गांव में हुआ था। माता सरस्वती देवी और पिता मोहन सिंह रुमल के बेटे मनोज बचपन से ही सैनिक बनना चाहते थे। वे मार्च 2003 में भारतीय सेना में भर्ती हुए थे। पहले, उन्हें पैराशूट रेजिमेंट में शामिल किया गया था। बाद में, उन्हें 1 पैरा (एसएफ) में भेज दिया गया। वहां उन्होंने कमांडो का प्रशिक्षण लिया था। मनोज वर्ष 2009 में अपनी यूनिट के साथ जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा ज़िले में तैनात थे। वहां आतंकवादियों के ख़िलाफ़ अभियान चलाए जा रहे थे। एक दिन सेना को अपने खुफिया सूत्रों से सूचना मिली कि कुछ आतंकवादियों का समूह घुसपैठ की कोशिश कर सकता है। सूचना का विश्लेषण करने के बाद 21 मार्च, 2009 को मेजर मोहित शर्मा के नेतृत्व में अभियान शुरू किया गया। मनोज को भी उस टीम में शामिल किया गया था।

जब मेजर मोहित शर्मा और साथी जवान संदिग्ध इलाके में पहुंचे तो आतंकवादियों ने उन पर गोलीबारी शुरू कर दी। यह अभियान अगले दिन भी जारी रहा। इस दौरान एक गोली मनोज की राइफल पर लगी, जिससे उसमें खराबी आ गई। अपने साथियों पर खतरा मंडराता देख मनोज सिंह आगे बढ़े और आतंकवादियों की ओर हैंड ग्रेनेड फेंका।

इससे एक आतंकवादी ढेर हो गया। अब मनोज दूसरे आतंकवादी से भिड़ गए। वे खुद गंभीर रूप से घायल हो चुके थे। कुछ समय बाद, वे मातृभूमि की रक्षा करते हुए वीरगति को प्राप्त हो गए। वह अभियान लंबा चला, जिसमें कई खूंखार आतंकवादी मारे गए थे। नायक मनोज सिंह जैसे वीर योद्धाओं और बलिदानियों की वजह से ही देश सुरक्षित है। उन्हें 'शौर्य चक्र' से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

भारत ने बांग्लादेश मुक्ति संग्राम में जिया की 'प्रेरक' भूमिका को याद किया

ढाका/भाषा। बांग्लादेश के पूर्व राष्ट्रपति जियाउर रहमान की शनिवार को 45वीं पुण्यतिथि पर ढाका स्थित भारतीय उच्चायोग ने 1971 के मुक्ति संग्राम में उनकी भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय भारत बांग्लादेश की जनता के साथ खड़ा था और आज भी दोनों देशों के साझा हितों के साथ उसी तरह सहयोग करता है।

मिशन ने एक बयान में कहा, हम मार्च 1971 के उनके प्रसिद्ध रेडियो संबोधन को याद करते हैं, जिसने जनता में जोश भरा, उन्हें उत्पीड़न के खिलाफ प्रतिरोध के मार्ग पर प्रेरित किया और राष्ट्रीय मुक्ति का मार्ग प्रशस्त किया।

बयान में जियाउर रहमान को राष्ट्र के सबसे बहादुर पुत्रों में से एक बताया गया। इसमें कहा गया, तब की तरह आज भी, भारत दोनों देशों के लोगों के साझा बलिदान और उनकी समृद्धि व प्रगति की साझा यात्रा में बांग्लादेश की जनता के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। वर्ष 1971 में पाकिस्तानी सेना में मेजर रहे जियाउर रहमान ने दक्षिण-पूर्वी बंदरगाह शहर चटगांव के बाहरी इलाके में स्थित अस्थायी 'स्वाधीन बेटार केंद्र' से प्रसारित एक रेडियो संबोधन में बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान की ओर से बांग्लादेश की स्वतंत्रता की घोषणा की थी।

उनका यह संबोधन 25 मार्च 1971 की रात ढाका और अन्य प्रमुख शहरों में पाकिस्तानी सैनिकों द्वारा 'ऑपरेशन सर्चलाइट' शुरू किए जाने के बाद आया था। उन्होंने 1971 के अपने रेडियो संबोधन में कहा था, मैं, मेजर जिया, हमारे महान नेता, बांग्लादेश के सर्वोच्च कमांडर शेख मुजीबुर रहमान की ओर से, यहां बांग्लादेश की स्वतंत्रता की घोषणा करता हूं। शेख मुजीबुर रहमान के नाम पर मैं सभी बांग्लादेशियों से पश्चिमी पाकिस्तान की सेना के हमले के खिलाफ उठ खड़े होने का आह्वान करता हूं। हम अपनी मातृभूमि को मुक्त कराने के लिए अंतिम सांस तक लड़ेंगे। अल्लाह के फजल से विजय हमारी होगी। जय बांग्ला।

स्वतंत्रता के बाद जियाउर रहमान ने 1978 में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) का गठन किया और 1981 में अपनी हत्या तक राष्ट्रपति पद पर रहे।

उनकी पत्नी खालिदा जिया ने बाद में पार्टी का नेतृत्व किया और प्रधानमंत्री बनीं। बीएनपी फरवरी 2026 के चुनाव के बाद सत्ता में लौटी, जिसके बाद उनके पुत्र तारिक रहमान अब बांग्लादेश के प्रधानमंत्री के रूप में कार्यरत हैं।

प्रदर्शन

नई दिल्ली में शनिवार को नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ़ इंडिया के सदस्य नई दिल्ली के पटपड़गंज में सीबीएएसई हेडक्वार्टर के बाहर विरोध प्रदर्शन करते हुए।

एक-एक डायलॉग के लिए घंटों मेहनत करते थे पंकज कपूर

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता पंकज कपूर ने अभिनय को सिर्फ पेशा नहीं, बल्कि एक कला की तरह जिया। उनके निभाए किरदार आज भी लोगों के दिलों में जिंदा हैं। चाहे उनका टीवी का मशहूर जासूस 'करमचंद' का किरदार हो, भ्रष्ट व्यवस्था से परेशान 'मुसद्दी लाल' की भूमिका हो। उन्होंने कई गंभीर और दमदार किरदार निभाए। वह अपने किरदार को असली दिखाने के लिए दर्जनों बार रिहर्सल करते थे। कई बार दूसरे कलाकार थक जाते थे, लेकिन पंकज तब तक संतुष्ट नहीं होते थे जब तक सीन बिल्कुल वैसा उनके मन के मुताबिक न हो जाए। यही परफेक्शन बाद में उनकी सबसे बड़ी पहचान बन गया। पंकज कपूर का जन्म 29 मई 1954 को पंजाब के लुधियाना में हुआ था। बचपन से ही उन्हें अभिनय और मंच की दुनिया आकर्षित करती थी। पढ़ाई में अच्छे होने के बावजूद उनका मन अभिनय में ही लगता था। उन्होंने राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (एनएसडी) में दाखिला लिया और वहीं से अभिनय की बारीकियां सीखीं। एनएसडी से निकलने के बाद उन्होंने कई साल थिएटर किया। साथी कलाकार बताते थे कि अगर किसी डायलॉग में भाव ठीक से नहीं आ रहा हो तो पंकज उसे बार-बार

बोलते थे, जब तक कि वह पूरी तरह संतुष्ट न हो जाएं। उनकी यही मेहनत उन्हें फिल्मों तक लेकर गई। पंकज कपूर को पहला बड़ा मौका रिचर्ड एटनबरो की फिल्म 'गांधी' से मिला। इस फिल्म में उन्होंने प्यारेलाल नय्यर का किरदार निभाया था। इसके बाद उन्होंने श्याम बेनेगल की 'आरोहण', 'मंडी' और कुंदन शाह की 'जाने भी दो यारो' जैसी फिल्मों में काम किया।

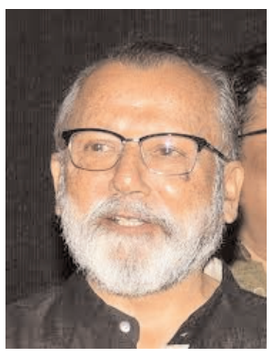

फिल्म 'एक डॉक्टर की मौत' में पंकज कपूर ने वैज्ञानिक डॉ. दीपांकर रॉय का किरदार निभाया था। इस भूमिका के लिए उन्होंने लंबे समय तक रिसर्च की थी। बताया जाता है कि वह शूटिंग के दौरान खुद को बाकी लोगों से थोड़ा अलग रखते थे, ताकि किरदार की अकेलेपन और संघर्ष वाली भावना चेहरे पर साफ दिखाई दे। इस फिल्म में उनके अभिनय को इतना पसंद किया गया कि उन्हें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया।इसी तरह फिल्म 'मकबूल' में 'अब्बा जहांगीर खान' के किरदार के लिए उन्होंने अपने चलने, बोलने और बैठने तक के तरीके में बदलाव किया था।टीवी की दुनिया में भी पंकज कपूर का सफर शानदार रहा। 'करमचंद', 'मुंगेरीलाल के हसीन सपने' और 'ऑफिस ऑफिस' जैसे सीरियल्स ने उन्हें घर-घर में लोकप्रिय बना दिया। खासकर 'ऑफिस ऑफिस' में मुसद्दी लाल का किरदार आज भी लोगों को याद है। इस शो की शूटिंग के दौरान भी वह हर सीन को पूरी गंभीरता से तैयार करते थे। भले ही वह कॉमेडी सीन ही क्यों न हो। कई बार सेट पर मौजूद लोग उनकी टाइमिंग और एक्सप्रेशन देखकर हंस पड़ते थे। पंकज कपूर ने अपने करियर में तीन राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और एक फिल्मफेयर पुरस्कार जीते। उन्हें हमेशा एक ऐसे अभिनेता के रूप में देखा गया, जो किरदार के लिए खुद को पूरी तरह बदल सकता है। उन्होंने फिल्मों के साथ-साथ निर्देशन और लेखन में भी हाथ आजमाया। उनकी फिल्म 'मौसम' काफी चर्चा में रही, जिसमें उनके बेटे शाहिद कपूर मुख्य भूमिका में नजर आए थे।

हेगसेथ ने भारत-पाक के बीच संघर्षविराम के संबंध में ट्रंप के दावे का समर्थन किया

सिंगापुर/भाषा। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने शनिवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भारत और पाकिस्तान के बीच शांति स्थापित करने में मदद करने का श्रेय दिया और भारत को अमेरिका की हिंद-प्रशांत रणनीति में एक प्रमुख भागीदार बताया। सिंगापुर में 'शांगरी-ला डायलॉग' को संबोधित हुए हेगसेथ ने पिछले साल भारत और पाकिस्तान के बीच हुए सैन्य टकराव के बाद हुए समझौते का जिक्र किया और तनाव कम करने में ट्रंप की भूमिका की सराहना की। हेगसेथ ने कहा, ''आपने देखा कि राष्ट्रपति ने दो परमाणु हथियार संपन्न देशों – भारत और पाकिस्तान के बीच शांति समझौता कराने में कितनी कुशलता दिखाई।'' ट्रंप ने बार-बार दावा किया है कि उन्होंने पिछले साल जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच चार दिनों तक जारी रहे सैन्य संघर्ष के बाद शांति स्थापित करने में मदद की। हालांकि, भारत लगातार यही कहता रहा है कि यह समझौता दोनों देशों के बीच सीधे तौर पर हुआ था और उसने किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता के दावों को खारिज किया है। अमेरिकी मंत्री ने शनिवार को कहा कि भारत और पाकिस्तान दोनों ही एक-दूसरे को सुरक्षा संबंधी चिंताओं के दृष्टिकोण से देखते रहेंगे। उन्होंने कहा, '''मेरा मानना है कि दोनों पक्ष (भारत और पाकिस्तान) एक-दूसरे की ओर से ऐसे खतरों को देखेंगे, जिन्हें समझा जा सकता है।

सैफई आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय ने किया दुनिया की सबसे बड़ी पित्ताशय पथरी निकालने का दावा

इटावा (उप्र)/भाषा। सैफई स्थित उत्तर प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय ने न्यूनतम चीर-फाड़ वाली लेप्रोस्कोपिक प्रक्रिया के जरिये एक बुजुर्ग महिला के पित्ताशय का आपरेशन करके 'दुनिया की सबसे बड़ी' पथरी को सफलतापूर्वक बाहर निकालने का दावा किया है।

विश्वविद्यालय के एक बयान के अनुसार शल्य चिकित्सकों ने लैप्रोस्कोपिक प्रक्रिया के जरिये पित्ताशय की एक ऐसी पथरी को सफलतापूर्वक निकाला है, जिसे दुनिया की सबसे बड़ी पित्ताशय की पथरी बताया जा रहा है।

बयान के अनुसार 200 ग्राम की यह पथरी 14सेंटीमीटर (सेमी) लंबी, 8.3 सेमी चौड़ी तथा 4.2 सेमी मोटी थी जिसे 'गैस्ट्रो सर्जन' डॉक्टर कन्हैया लाल चौधरी और उनकी टीम ने 62 वर्षीय एक महिला मरीज के पित्ताशय से निकाला।

बयान में दावा किया गया है कि सैफई में निकाली गई यह पथरी, त्रिनिदाद और टोबैगो में लैप्रोस्कोपी के जरिये पहले निकाली गई एक अन्य पथरी से भी बड़ी थी। बयान के अनुसार एक मेडिकल जर्नल में दर्ज जानकारी के अनुसार उस पथरी का आकार 12.8 सेमी लंबा एवं सात सेमी चौड़ा था और उसका वजन 178 ग्राम था।

विश्वविद्यालय ने बताया कि इतनी ज्यादा बड़ी पित्ताशय की पथरी को आमतौर पर 'ओपन सर्जरी' (पेट खोलकर की जाने वाली सर्जरी) के जरिए ही निकालने के लिए उपयुक्त माना जाता है, क्योंकि इसमें कई तकनीकी चुनौतियां शामिल होती हैं।

सेलिना जेटली की बढ़ी मुश्किलें, पति-ससुर ने भेजा नोटिस, झूठे आरोपों और मीडिया ट्रायल पर आपत्ति

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री सेलिना जेटली की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। तलाक और बच्चों की कस्टडी को लेकर चल रहे विवादों के बीच उन्हें पति पीटर हाग और ससुर डीआई वोल्फगैंग जे. हाग ने दो अलग-अलग कानूनी नोटिस भेजे हैं। मुंबई स्थित विधि फर्म सेमवाल एंड कंपनी ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि ये नोटिस सोशल मीडिया, डिजिटल प्लेटफॉर्म और कई मीडिया माध्यमों में प्रसारित की जा रही उन बातों के संबंध में जारी किए गए हैं, जिन्हें हाग परिवार ने भ्रामक, असत्य और मानहानिकारक बताया है। जानकारी के अनुसार, पहला नोटिस पीटर हाग के पिता डीआई वोल्फगैंग जे. हाग की ओर से भेजा गया है, जबकि दूसरा नोटिस स्वयं पीटर हाग ने अपने और अपने तीन नाबालिग बच्चों के हितों की सुरक्षा के लिए जारी किया है।

परिवार का कहना है कि पिछले कुछ समय से उनके खिलाफ सार्वजनिक मंचों पर कई ऐसे आरोप लगाए जा रहे हैं, जिनका वास्तविक तथ्यों से कोई संबंध नहीं है। नोटिस में उल्लेख किया गया है कि पीटर हाग और सेलिना जेटली के बीच वैवाहिक विवाद और बच्चों की कस्टडी से जुड़े मामले वर्तमान में ऑस्ट्रिया की अदालतों में विचाराधीन हैं। परिवार का आरोप है कि न्यायिक प्रक्रिया जारी रहने के बावजूद इस मामले से जुड़े कई बयान, इंटरव्यू और सोशल मीडिया पोस्ट सार्वजनिक रूप से साझा किए गए, जिनमें हाग फैमिली को लेकर गंभीर आरोप लगाए गए। हाग फैमिली का कहना है कि उन्होंने लंबे समय तक सार्वजनिक प्रतिक्रिया देने से परहेज किया, क्योंकि वे चाहते थे कि पारिवारिक और बच्चों से जुड़े संवेदनशील मुद्दों का समाधान कानूनी प्रक्रिया के माध्यम से हो। हालांकि, उनके अनुसार लगातार लग रहे सार्वजनिक आरोपों और मीडिया में उनके प्रसार के चलते अब कानूनी कदम उठाना जरूरी हो गया था। नोटिस में उन आरोपों का विशेष रूप से खंडन किया गया है, जिनमें पीटर हाग को हिंसक, अपमानजनक, भावनात्मक रूप से प्रताड़ित करने वाला या डराने-धमकाने वाला व्यक्ति बताया गया है।

अनुपम खेर ने शुरू की 'श्री राम भूमि' की शूटिंग

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर इन दिनों अपनी नई फिल्म 'श्री राम भूमि' को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। उन्होंने इस फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर दी है। माना जा रहा है कि यह फिल्म आस्था, बलिदान, सच्चाई और आधुनिक भारत के एक बेहद अहम अध्याय को बड़े पर्दे पर दिखाएगी। फिल्म को जी स्टूडियोज, डांसिंग शिवा फिल्म्स और सिनेकोर्न एंटरटेनमेंट मिलकर बना रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन नेशनल अवॉर्ड विजेता निर्देशक कामाख्या नारायण सिंह कर रहे हैं। फिल्म में अनुपम खेर के साथ एक्टर ऋत्विक भौमिक और अभिनेत्री अमृता खानविलकर भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगी। हालांकि मेकर्स ने अभी फिल्म की कहानी को पूरी तरह गुप्त रखा है, लेकिन फिल्म के नाम ने ही दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है। मेकर्स ने फिल्म की शुरुआत के मौके पर सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें शेयर कीं। इन तस्वीरों में पूरी टीम पूजा समारोह के दौरान नजर आई। पोस्ट में लिखा, ''यह सिर्फ एक टाइटल नहीं बल्कि भावनाओं से जुड़ी कहानी है, जिसकी यात्रा अब शुरू हो चुकी है।''

सोशल मीडिया पर फैंस भी फिल्म को लेकर अपनी उत्सुकता जाहिर कर रहे हैं। कई लोगों का मानना है कि अनुपम खेर एक बार फिर किसी दमदार किरदार में नजर आने वाले हैं।इस फिल्म के अलावा अनुपम खेर अपनी पुरानी सुपरहिट फिल्म 'खोसला का घोसला' के सीक्वल को लेकर भी चर्चा में हैं। साल 2006 में रिलीज हुई इस फिल्म को दर्शकों ने बेहद पसंद किया था।

अब इसके दूसरे पार्ट में अनुपम खेर एक बार फिर अपने लोकप्रिय किरदार कमल किशोर खोसला के रूप में दिखाई देंगे।'खोसला का घोसला 2' का निर्देशन दिबाकर बनर्जी करेंगे। फिल्म में पहले पार्ट के कई पुराने कलाकार भी वापसी करने वाले हैं। इनमें बोमन ईरानी, ङ्खङ्खपरवीन डबास, रणवीर शौरी, किरण जुनेजा और तारा शर्मा जैसे कलाकार शामिल हैं। वहीं अभिनेता रवि किशन भी फिल्म में एक अहम भूमिका निभाते नजर आएंगे। अनुपम खेर निर्देशक सूरज बड़जात्या के साथ भी एक नई फिल्म पर काम कर रहे हैं। हालांकि अभी इस फिल्म का नाम और कहानी सामने नहीं आई है।

प्रचार

एक्टर रश्मिका मंदाना, शाहिद कपूर और कृति मुंबई में अपनी आने वाली फिल्म 'कॉकटेल 2' के प्रमोशनल इवेंट के दौरान सैनन।

'घिस घिस घिस' को लेकर सुर्खियां बटोर रहीं अक्षरा सिंह

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री अक्षरा सिंह इन दिनों हालिया रिलीज सॉन्ग 'घिस घिस घिस' को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। इस गाने में अभिनेता अक्षय कुमार के साथ उनकी जोड़ी को दर्शकों का भरपूर प्यार मिल रहा है। शुक्रवार को अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम के जरिए खुशी जाहिर करते हुए बताया कि वे ट्रेंड कर रही हैं। अभिनेत्री अक्षरा सिंह ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर एक्स ट्रेंडिंग का स्क्रीनशॉट पोस्ट किया, जिसमें लिखा है कि अभिनेत्री एंटरटेनमेंट में नंबर 1 पर ट्रेंड कर रही हैं। उन्होंने स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए लिखा, ये तो मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि मैं ट्रेंड में रहूंगी। अक्षरा सिंह और अक्षय कुमार का गाना 'घिस घिस घिस' उनकी बॉलीवुड में धमाकेदार शुरुआत का प्रतीक है। यह एक शानदार बॉलीवुड-भोजपुरी फ्यूजन है। इसे विक्रम मॉन्ट्रोस और सुप्रिया पाठक ने गाया

है और इसके बोल अभिनव शेखर ने लिखे हैं।यह गाना बहुचर्चित फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' का हिस्सा है, जिसमें वह अक्षय कुमार के साथ डांस करती नजर आ रही हैं।

अहमद खान द्वारा निर्देशित बहुचर्चित हिंदी कॉमेडी ड्रामा फिल्म, 'वेलकम' फ्रेंचाइजी का बहुप्रतीक्षित तीसरा भाग है, जिसमें अक्षय कुमार सहित 30 से अधिक सितारे नजर आएंगे। इससे पहले फिल्म का टाइटल ट्रैक रिलीज किया गया था

यह फिल्म अपनी पिछली दोनों फिल्मों (वेलकम और वेलकम बैक) से बिल्कुल अलग और नए अंदाज में है। फिल्म में एक अनोखा ट्विस्ट है। इसमें एक जंगल के बीच एक 'फेक फिल्म' (फिल्मी ड्रामा के अंदर फिल्म) की शूटिंग का कॉन्सेप्ट दिखाया जाएगा, जिसमें सेना (आर्मी) और वॉर का एंगल भी शामिल है।

फिल्म में बॉलीवुड की एक बहुत बड़ी स्टार कास्ट शामिल है। इसमें अक्षय कुमार के साथ-साथ सुनील शेट्टी, संजय दत्त, परेश रावल, जैकी श्रॉफ, दिशा पाटनी, लारा दत्ता, रवीना टंडन और राजपाल यादव जैसे कई दिग्गज कलाकार मुख्य भूमिकाओं में हैं। सोशल मीडिया पर फिल्म को लेकर काफी उत्साह देखा जा रहा है। अब देखना होगा कि रिलीज के बाद ये दर्शकों को कैसा अनुभव देगी।

'अंडर 18' में किच्चा सुदीप की एंट्री, सच्ची घटनाओं पर आधारित होगी ऐश्वर्या राजेश-विक्रांत की फिल्म

मुंबई/एजेन्सी

साउथ इंडस्ट्री में इन दिनों निर्देशक कार्तिक पेरुमल स्वामी की नई फिल्म 'अंडर 18' लगातार चर्चा में बनी हुई है। फिल्म की कहानी को लेकर लोगों के बीच पहले से ही काफी उत्सुकता थी, लेकिन अब इसमें सुपरस्टार किच्चा सुदीप की एंट्री ने उत्साह को और बढ़ा दिया है। मेकर्स ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर इसका आधिकारिक ऐलान किया। फिल्म को प्रोड्यूस कर रही एसआर प्रोडक्शंस ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए किच्चा सुदीप का स्वागत किया। पोस्ट में लिखा, ''बादशाह आ चुके हैं। पावरहाउस परफॉर्मर किच्चा सुदीप का 'अंडर 18' में स्वागत है। सफर में एक बड़ा बदलाव अब शुरू होता है।'' फिल्म से उनके जुड़ने के ऐलान के बाद सोशल मीडिया पर फैंस के बीच काफी उत्साह देखने को मिला। लोग अब यह जानने के लिए और ज्यादा उत्सुक हैं कि फिल्म में किच्चा सुदीप का किरदार कैसा होगा।

कठिन शुरुआत के बाद सब छोड़कर घर चली गई थी : ईशा सिंह

मुंबई/एजेन्सी

मनोरंजन जगत की चकाचौंध भरी दुनिया में नाम बनाना आसान नहीं है। किस्मत और मेहनत के दम पर काम तो मिल जाता है, लेकिन इंडस्ट्री की थका देने वाली भागदौड़ और तनाव भरी जिंदगी के कारण कई लोग यहां से दूरी बना लेते हैं।

ऐसा ही कुछ अनुभव अभिनेत्री ईशा सिंह के साथ हुआ था। अभिनेत्री ईशा सिंह ने आईएएनएस के साथ बातचीत में बताया कि उनका शुरुआती सफर बेहद मुश्किलों और चुनौतियों से भरा रहा था। अभिनेत्री ने शुरुआती दिनों के संघर्ष को याद करते हुए बताया, मेरा शुरुआती दौर यकीनन बहुत मुश्किलों भरा था। एक वक्त तो ऐसा भी था, जब परेशान होकर मैंने अपना पहला शो बीच में ही छोड़ दिया था और वापस अपने घर भोपाल चली गई थी, लेकिन मेरा मानना है कि भगवान ने मेरे लिए कुछ और ही सोच रखा था। उनकी कृपा और मेरी मेहनत की वजह से ही आज मैं इस मुकाम पर खड़ी हूं। हालांकि, ईशा ने ये भी स्पष्ट किया कि इंडस्ट्री में उन्हें लोगों का भी बहुत साथ मिला और कभी आउटसाइडर जैसा महसूस नहीं हुआ। उन्होंने बताया, मुझे यहां पर बहुत अच्छे लोग मिले, जिन्होंने कभी यह एहसास होने नहीं दिया कि मैं बाहर से आई हूं। हां, शुरुआत में कुछ मुश्किलें आईं क्योंकि मैं बिल्कुल नई थी और काम सीख रही थी, लेकिन तब से लेकर अब तक मैंने एक लंबा सफर तय किया है। दर्शकों ने मुझे जो प्यार दिया उसके लिए मैं उनकी शुक्रगुजार हूं।

अभिनेत्री ईशा सिंह कई म्यूजिक वीडियोज और रियलिटी शो बिग-बॉस में भी नजर आ चुकी हैं, जहां उन्हें दर्शकों से प्यार मिला, तो कई बार ट्रोलिंग का भी सामना करना पड़ा। ट्रोलिंग को लेकर अभिनेत्री का कहना है, रियलिटी शोज आपको जनता के सामने एक खुली किताब की तरह रख देते हैं। लोग लगातार आपकी आलोचना करते हैं, लेकिन अब मैंने सीख लिया है कि इन नकारात्मक बातों का खुद पर असर न होने दूं। आज मैं मानसिक और भावनात्मक, दोनों ही स्तर पर पहले से कहीं ज्यादा मजबूत हो चुकी हूं। अभिनेत्री ईशा सिंह से पूछा, खबरें हैं कि आप अपने आने वाले किसी प्रोजेक्ट में एक 'ऑटिस्टिक' किरदार निभाती हुई नजर आ सकती हैं। आपको इस तरह के संवेदनशील विषयों की ओर क्या चीज आकर्षित करती है? अभिनेत्री ने इस सवाल का जवाब देते हुए कहा, यह एक बहुत ही खूबसूरत प्रोजेक्ट है और सही समय आने पर मैं इसके बारे में जरूर बात करूंगी, लेकिन अभी के लिए, मेरा पूरा ध्यान सिर्फ और सिर्फ अपनी फिल्म 'ऑब्सेस' पर ही केंद्रित है। यह एक इमोशनल और बेहद प्रभावशाली फिल्म है और मैं चाहती हूं कि दर्शक इसे सिनेमाघरों में जाकर जरूर देखें।

आचार्य कुलबोधिसूरिश्वर ने जीवन को सार्थक बनाने के दिए तीन अमूल्य सूत्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां पूनमल्ली हाई रोड स्थित बीबीसीएल ब्रीज रेजिडेंसेज में विराजित आचार्य भगवंत श्री कुलबोधिसूरिश्वरजी म. सा. ने शनिवार को प्रवचन में कहा कि मनुष्य जीवन अत्यंत दुर्लभ और अनमोल प्राप्ति है। पांचों इंद्रियों से संपन्न यह मानव जन्म असंख्य पुण्यों के उदय से प्राप्त हुआ है। संसार में एक कप चाय भी बिना मूल्य के नहीं मिलती, फिर यह अमूल्य मानव जीवन हमें कैसे प्राप्त हुआ, इस पर गंभीरता से विचार

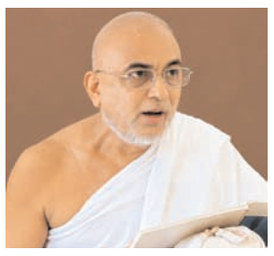

बीबीसीएल में हुए प्रेरणादायी एवं रोचक प्रवचन

करना चाहिए। दुर्भाग्यवश अधिकांश लोग इस दुर्लभ जीवन का महत्व नहीं समझ पाते। उन्होंने बताया कि मानव जीवन को सार्थक बनाने के तीन प्रमुख सूत्र हैं, पीड़ा का स्वीकार, पाप का प्रतिकार और पुण्य का सत्कार।

आचार्यश्री ने कहा कि जीवन में कई बार नापसंद परिस्थितियां, व्यक्ति अथवा पारिवारिक स्थितियां सामने आती हैं, लेकिन उन्हें स्वीकार करने की कला सीखना आवश्यक है। उन्होंने गुलाब के फूल का उदाहरण देते हुए कहा कि चारों ओर कांटे होने के बावजूद वह अपनी सुगंध और सौंदर्य नहीं छोड़ता। यदि स्वीकार की मनोवृत्ति विकसित नहीं होगी तो व्यक्ति अच्छे और अनुकूल अवसरों को भी सहजता से नहीं अपना पाएगा। उन्होंने कौए के दृष्टांत के माध्यम से समझाया कि जीवन में सुख और दुःख दोनों साथ-साथ चलते हैं। जो व्यक्ति पीड़ा को स्वीकार करना सीख लेता है, वह मानसिक रूप से अधिक मजबूत बनता है।

आचार्यश्री ने कहा कि पुण्य का सत्कार करना भी जीवन को सफल बनाने का महत्वपूर्ण साधन है। जरूरतमंद की सहायता करना, दान देना और समाजोपयोगी कार्यों में योगदान देना पुण्य के सत्कार का स्वरूप है। उन्होंने कहा, जीवन में केवल पहचानने वाले नहीं, चाहने वाले अधिक होने चाहिए। इस अवसर पर उन्होंने चेन्नई में बालिकाओं के लिए जैन विद्यालय स्थापित करने की प्रेरणा देते हुए कहा कि शिक्षा के साथ संस्कारों का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यदि संस्कार समाप्त हो जाएंगे तो मंदिर और उपाश्रय भी अपने वास्तविक उद्देश्य को पूरा नहीं कर पाएंगे। आचार्यश्री ने जोर देकर कहा कि आज के युग में शिक्षा और संस्कार का समन्वय ही समाज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। अंत में उन्होंने कहा कि यदि व्यक्ति पीड़ा का स्वीकार, पाप का प्रतिकार और पुण्य का सत्कार अपने जीवन में उतार ले, तो उसका मानव जीवन वास्तव में सार्थक और सफल बन सकता है।

अणुव्रत समिति सदस्यों ने विधायक कामाक्षी जय कृष्णन से की भेंट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अणुव्रत समिति, चेन्नई के एक प्रतिनिधिमंडल ने पल्लावरम विधानसभा क्षेत्र की नवनिर्वाचित विधायक कामाक्षी जय कृष्णन से शिष्टाचार भेंट कर उन्हें निर्वाचन की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की। समिति अध्यक्ष सुभद्रा लुणावत ने विधायक का अणुव्रत दुपट्टा ओढ़ाकर अभिनंदन किया तथा उन्हें अणुव्रत आंदोलन एवं उसकी विभिन्न जनकल्याणकारी गतिविधियों की जानकारी दी।

समिति मंत्री कुशल बाँठिया ने बताया कि अणुव्रत अभियान के अंतर्गत नशामुक्ति, पर्यावरण संरक्षण, नैतिक मूल्यों का संवर्धन, डिजिटल डिटॉक्स एवं जीवन विज्ञान जैसे विषयों पर निरंतर कार्य किया जाता है, जिससे व्यक्ति के चरित्र निर्माण एवं स्वस्थ समाज के विकास को बल मिलता है। अनिल लुणावत ने कहा कि अणुव्रत आंदोलन मानवता एवं नैतिकता पर आधारित एक सार्वभौमिक अभियान है, जिसमें जाति, धर्म एवं सम्प्रदाय से ऊपर उठकर प्रत्येक व्यक्ति सहभागिता कर सकता है।

विधायक कामाक्षी जयकृष्णन ने अणुव्रत आंदोलन एवं उसकी गतिविधियों की जानकारी को ध्यानपूर्वक सुना तथा समिति द्वारा किए जा रहे सामाजिक एवं नैतिक जागरण के कार्यों की सराहना की। उन्होंने भविष्य में अणुव्रत समिति के साथ मिलकर अपने विधानसभा क्षेत्र में जनहित एवं नैतिक मूल्यों के प्रसार संबंधी कार्यक्रमों के संचालन का आश्वासन भी दिया। इस अवसर पर दिलीप भंसाली सहित समिति के अन्य कार्यकर्ता एवं सदस्य उपस्थित रहे।

अणुव्रत समिति, चेन्नई द्वारा सार-संभाल यात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वालाजाबाद/चेन्नई। अणुव्रत समिति, चेन्नई द्वारा संचालित सार-संभाल यात्रा के अंतर्गत समिति के प्रतिनिधिमंडल ने वालाजाबाद स्थित धारीवाल परिवार के निवास पर पहुंचकर आत्मीय भेंट की। उल्लेखनीय है कि अणुव्रत महासमिति द्वारा लगभग 30 वर्ष पूर्व स्वर्गीय भंवरलाल, रमेशचन्द आकाश धारीवाल परिवार को अणुव्रत परिवार के सम्मान से अलंकृत किया गया था। इस अवसर पर समिति अध्यक्ष श्रीमती सुभद्रा लुणावत ने धारीवाल परिवार की अणुव्रत आचार-संहिता से ओत-प्रोत जीवनशैली, संस्कारों एवं सकारात्मक विचारधारा की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे परिवार समाज के लिए प्रेरणा-स्रोत हैं। समिति मंत्री कुशल बाँठिया ने परिवार के युवा एवं बाल सदस्यों को भी अणुव्रत के नैतिक मूल्यों से निरंतर जुड़े रहने का संदेश दिया।

नवनियुक्त मंत्री संपत कुमार का प्रवासी संघों ने किया अभिनंदन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। तमिलनाडु में नवगठित तलपति विजय की सरकार में पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री वी संपत कुमार, जो कोयंबतूर उत्तर से विधायक हैं, का आगमन उनके गृह नगर कोयम्बटूर में हुआ। इस अवसर पर प्रवासी संस्थाओं के पदाधिकारियों ने उनसे मुलाकात कर अपने कार्यकाल में अधिक से अधिक समाजोत्थान की शुभ कामना प्रेषित की। प्रवासी प्रतिनिधिमंडल में कांग्रेस पार्टी के जिला सचिव गोपाल सिंह अराबा, श्री वर्धमान जैन सेवा संघ(कोयंबटूर)के संस्थापक राजेश कुमार गादिया, सेवा संघ के महामंत्री टाइगर खारीवाल, के साथ ही डालू सिंह, बाबू सिंह बाला, रवींद्र सिंह,सुरेश व मोहन सिंह सहित अनेक जन उपस्थित थे।

जीआरटी होटल्स ने आयोजित की विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर सेमिनार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। जीआरटी होटल्स समूह ने विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर जीआरटी ग्रैंड चेन्नई वेलनेस प्लेटफॉर्म के अंतर्गत टी नगर स्थित जीआरटी होटल में एक सेमिनार का आयोजन किया जिसमें तंबाकू की लत से होने वाले शारीरिक क्षति, शारीरिक स्वास्थ्य लाभ और अत्यधिक शारीरिक सहनशक्ति जैसे प्रमुख विषयों पर वक्ताओं ने अपने विचार रखे। यह संगोष्ठी जीआरटी होटल्स के सीईओ विक्रम कोटा, अपोलो हॉस्पिटल्स के महामारी विशेषज्ञ डॉ. वी. रामासुब्रमणियन, भारत के पहले अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति द्वारा मान्यता प्राप्त खेल पोषण विशेषज्ञ मैराथन विजेता शाइनी सुरेंद्रन, नेविल जमशेद बिलिमोरिया, संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक परिषद के नेता और एआई हेल्थ के संस्थापक डॉ. अजमल दस्ताखिर, आर्कोट के राजकुमार दीवान नवाबजादा आसिफ अली की उपस्थिति मे आयोजित हुआ। इसके साथ ही इस संगोष्ठी में चिकित्सा, खेल पोषण और फिटनेस के क्षेत्रों के अग्रणी विशेषज्ञों ने भाग लेकर स्वास्थ्य, स्वस्थ जीवन शैली जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपने विचार साझा किया।

कार्यक्रम में बोलते हुए, जीआरटी होटल्स के सीईओ विक्रम कोटा ने कहा कि 'ग्रेट बीइंग वेलनेस' पहल अतिथियों और समुदाय के समग्र कल्याण को ध्यान में रखकर बनाई गई है जिसका उद्देश्य शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक स्पष्टता और एक सार्थक जीवनशैली को बढ़ावा देना है। विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर अग्रणी विशेषज्ञों को एक मंच पर लाना इस कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि सच्चा स्वास्थ्य कोई अस्थायी चलन नहीं है बल्कि यह दैनिक जीवन में लिया गया एक सचेत निर्णय है।

कार्यक्रम के अंतर्गत स्वास्थ्य जागरूकता तंबाकू के प्रभावों, स्वस्थ जीवनशैली और तंदुरुस्ती से संबंधित कई प्रश्न पूछे गए जिसका विस्तृत उत्तर उपस्थित स्वास्थ्य विशेषज्ञों द्वारा दिया गया। संचालन अरकोट के राजकुमार दीवान नवाबजादा आसिफ अली ने किया।

रजत अनुकंपा समिति द्वारा अनाथ बच्चों खाद्य एवं अन्य सामग्री भेंट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। राजस्थानी एसोसिएशन तमिलनाडु (रजत) की अनुकम्पा समिति द्वारा 350 अनाथ बच्चों को 29 मई 2026 शुक्रवार, सुबह रामकृष्ण मिशन स्टूडेंट्स होम, मैलापुर में 350 अनाथ बच्चों को प्रिशा लोढ़ा के तीसरे जन्मदिन के सुअवसर पर मंगलचंद कैलाश मनोहर मोहित लोढ़ा परिवार द्वारा पौष्टिक व सात्विक नाश्ता करवाया गया साथ ही सभी बच्चों को दूध, वेफर् व चाकलेट भी दी गई। अनुकंपा चेयरमैन ज्ञानचंद कोठारी, को चेयरमैन हनुमान सुकलेचा, कन्वेनर सुमेरचंद बैद ने सेवाएं प्रदान की। वहीं केके नगर स्थित अक्षया वृद्धाश्रम में 45 बुजुर्ग महिलाओं को दोपहर का खाना, केले, रुमाल व पर्स श्रीमती प्रेमा गादिया के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में दिए गए। राधेश्याम मूंधड़ा के सहयोग से तिरूपल्ली स्ट्रीट में 500 लोगों को छाछ वितरण कि गई।

रजत अध्यक्ष अजीत चोरड़िया व सचिव दीनेश कोठारी के मार्गदर्शन में अनुकंपा कार्य सुचारू रूप से सम्पन्न हुए। वितरण कार्य में को चेयरमैन दीलीप बोहरा, धर्मचंद नाहर, प्रकाशचंद बैद, चंद्रप्रकाश बेद आदि ने सेवाएं देकर आयोजन को सफल बनाया। अनुकंपा चेयरमैन ज्ञानचंद कोठारी ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

कषायों के साथ की गई साधना कभी मोक्ष तक नहीं पहुँचाएगी : डॉ.समकित मुनि

चातुर्मास का स्वागत 'सामूहिक तेले की तपस्या'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के श्रीरामपुरम में विराजित डॉ. समकितमुनिजी ने अपने दैनिक प्रवचन में व्यवहार शुद्धि का अत्यंत मार्मिक सूत्र दिया। उन्होंने 'कैसे सुनना और कैसे सुनाना' इसकी कला सिखाते हुए कहा कि किसी की बात को इस तरह सुनो कि तुम्हें उसके 'अप्रिय शब्दों' से भी प्रेम हो जाए। तुम्हारे भीतर इतनी सहनशीलता और समभाव होना चाहिए कि कड़वे शब्द भी तुम्हें विचलित न कर सकें।

मुनिश्री ने कहा कि अपने मुख से दूसरों को सदैव वही शब्द सुनाओ, जो तुम स्वयं अपने लिए सुनना पसंद करते हो। जो व्यवहार तुम्हें खुद के लिए चुभता है, वह दूसरों के साथ कभी मत करो।

उन्होंने कहा कि आज के युग में ज्ञान, तपस्या और बाहरी धर्म-ध्यान बहुत बढ़ गया है, लेकिन इसके साथ ही इंसान के भीतर राग-द्वेष, अहंकार, ईर्ष्या, कषाय भी तेजी से बढ़ गया है। यह एक अत्यंत खतरनाक स्थिति है। मुनिश्री ने कहा कि इससे तो अच्छा वह पुराना समय था, जब लोगों के पास ज्ञान और तप भले ही कम था, मगर उनके भीतर राग और द्वेष भी कम थे। आज का इंसान धर्म करके भी कषायों में उलझा हुआ है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार 'कोल्हू का बैल' दिन भर गोल-गोल घूमता है, वह मीलों का सफर तय कर लेता है, लेकिन शाम को देखता है तो वह वहीं का वहीं खड़ा होता है, वह अपनी मंजिल तक पहुँचता ही नहीं है। ठीक इसी प्रकार, यदि तुम्हारे मन में राग-द्वेष भरा है, तो राग-द्वेष के साथ की गई तुम्हारी हर धार्मिक क्रिया, तपस्या और ज्ञान उस कोल्हू के बैल के समान ही निरर्थक है। मन में द्वेष रखकर की गई बड़ी-बड़ी तपस्याओं और क्रियाओं का परमात्मा के दरबार में कोई मोल नहीं है।

प्रवचन का सार बताते हुए कहा कि 'समकित की यात्रा' केवल स्वयं को जानने और अपने भीतर के राग-द्वेष को कम करने की ही यात्रा है।

प्रवचन के पश्चात 'बेंगलूरु चातुर्मास समिति-2026' की ओर से घोषणा की गई कि इस वर्ष मुनिश्री के ऐतिहासिक चातुर्मास का स्वागत 'सामूहिक तेले की तपस्या' के महा-अनुष्ठान के साथ किया जाएगा। समिति ने समस्त बेंगलूरु के सभी संघ से निवेदन किया कि इस ऐतिहासिक चातुर्मास में हर परिवार से कम से कम एक सदस्य 'तेले' की तपस्या का संकल्प अवश्य ले, ताकि चातुर्मास का यह आगाज अभूतपूर्व बन सके।

अध्यक्ष ताराचंद गुगलिया ने आभार ज्ञापन दिया और मंत्री अशोक गुगलिया ने संचालन किया।

आध्यात्मिकता के प्राण, मानवता के सच्चे श्रृंगार होते हैं संत : राष्ट्रसंत कमलेशमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के यशवंतपुर जैन स्थानक में विराजित राष्ट्रसंत कमलमुनिजी कमलेश ने शनिवार को उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि संत संस्कृति के सजक प्रहरी, आध्यात्मिकता के प्राण, मानवता के सच्चे श्रृंगार हैं। ब्रह्मा, विष्णु, महेश से बढ़कर होते हैं संत। संत ही प्रभु का साक्षात्कार करवाते हैं। कमलमुनिजी ने गत दिनों रोड दुर्घटना में हुईं साधु साध्वियों की अकाल मृत्यु पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि जैन संत निस्वार्थ भाव से संपूर्ण मानवता के लिए समर्पित होते हैं। आध्यात्मिक चेतना जागृत करने के लिए गांव-गांव, घर-घर पदयात्रा करके जो धर्म का काम करते हैं, वह काम सरकार, विज्ञान और विश्व की संपूर्ण संपत्ति दान देकर भी कोई नहीं कर सकता। मुनि कमलेशजी ने कहा कि यह संत की हत्या नहीं, संपूर्ण आध्यात्मिक जगत की हत्या है। संत राष्ट्र की और मानवता की अनमोल धरोहर है। ङ्क जैन संत ने बताया कि संविधान में प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा करना सरकार का प्रथम कर्तव्य है, आए दिन रोड पर इंसान और पशुओं का एक्सीडेंट होता है, जाम लगते हैं, यह यातायात कानून का खुल्लम-खुल्ला उल्लंघन है। पदयात्रा आध्यात्मिकता का प्राण, पर्यावरण रक्षा की संजीवनी बूटी है। यशवंतपुर संघ के अध्यक्ष सुमेर सिंह मुणोत, मंत्री रमेश बोहरा आदि श्रद्धालुओं ने दिवंगत संतों को श्रद्धांजलि दी।

अब भारत के 'सबसे बड़े ब्रांड एंबेसडर' प्रधानमंत्री मोदी हैं : शेखावत

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत का कहना है कि 10-15 साल पहले तक विदेश में भारत की पहचान मुख्य रूप से महात्मा गांधी से जुड़ी थी, लेकिन अब यह बदल गया है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश के 'सबसे बड़े ब्रांड एंबेसडर' हैं।

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री ने 'पीटीआई वीडियो' को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि भारत की संस्कृति- इसकी विरासत, त्योहार और व्यंजन - भी देश की पहचान हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया में भारत को जिस नजरिए से देखा जाता था, उसमें 'कुछ कमी' थी।

इस सप्ताह की शुरुआत में मंत्री ने 'पीटीआई-वीडियो' से कहा था,''10-15 साल पहले तक अगर आप दुनिया के किसी भी देश में जाते और किसी व्यक्ति से उसके हुलिए के आधार पर पूछते कि क्या वह भारतीय है, तो वह खुद को भारतीय कहने में हिचकिचाता था। वह अपना परिचय एशियाई के रूप में देता था। फिर अगर आप उससे पूछते कि वह एशिया में कहां से है, तब वह कहता कि मैं भारतीय हूं।''

मंत्री ने कहा कि इसके पहले अगर कोई पर्यटक विदेश में किसी को बताता कि वह भारतीय है, तो जवाब होता, 'भारत! ओह, श्रीमान गांधी'। शेखावत ने कहा कि भारत की छवि और पहचान 'गांधीजी से जुड़ी हुई थी'। उन्होंने कहा, ''लेकिन आज, और मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं, आप दुनिया के किसी भी देश में जा सकते हैं... सबसे छोटे कैरेबियन द्वीप से लेकर अमेरिका तक, और दक्षिण एशिया से लेकर पश्चिम एशिया तक, आप कहीं भी जा सकते हैं, और अगर आप किसी को बताएं कि 'मैं भारत से हूं', तो आप उनके चेहरे पर एक प्यारी सी मुस्कान और एक विस्मयबोधक शब्द देखेंगे, 'भारत! ओह, श्रीमान मोदी'।

मंत्री से पूछा गया कि भारत का सबसे बड़ा ब्रांड एंबेसडर कौन है, संस्कृति एवं पर्यटन या बॉलीवुड। इसके जवाब में उन्होंने कहा, ''आजकल हमारे सबसे बड़े ब्रांड एंबेसडर हमारे प्रधानमंत्री हैं।''

शोखावत ने कहा, ''वैसे भी, यह कोई राजनीतिक जवाब नहीं है। मैं यह एक आम आदमी के तौर पर कह रहा हूं।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.